



राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (NCF)
2023 पर आधारित

नव विद्या

हिंदी पाठ्यपुस्तक



4



Lesson Plan



Digital Content



Questions Paper Generator



Flip Books

पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	4	हिंदी	कविता	1	40 मिनट

प्रकरण : देश हमारा

कवि : सुभद्रा कुमारी चौहान

सामान्य उद्देश्य

1. अपने देश भारत के विषय में जानकारी देना ।
2. भारत की विशेषताओं को बताना ।
3. व्याकरण के सामान्य नियमों से परिचय प्राप्त कराना ।
4. गणितीय योग्यता की वृद्धि कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : अपने देश भारत के प्रति रुचि उत्पन्न कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, कलम, श्यामपट्ट, भारत की विशेषताओं से संबंधित ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : विद्यार्थियों को देश की कुछ विशेषताओं का पूर्व ज्ञान है ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	हम सब कहाँ सुरक्षित रहते हैं ?	घर में
2.	घर कहाँ सुरक्षित रहता है ?	देश में
3.	हम सब सुरक्षित कब होते हैं ?	जब देश सुरक्षित होता है ।

उद्देश्य कथन : आज हम आपको अपने देश से संबंधित “देश हमारा” कविता पढ़ाएँगे ।



पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

आदर्श वाचन	: अध्यापक कविता का परिचय देते हुए उसका पाठ करेंगे । कठिन शब्दों को दो बार दोहराएँगे ।
अनुकरण वाचन	: छात्र अध्यापक के पाठ के बाद कविता को उसी तरह दोहराएँगे ।
सस्वर वाचन	: कविता को लय के साथ अध्यापक और छात्र एक साथ पढ़ेंगे ।
उच्चारण संशोधन	: अध्यापक उच्चारण संबंधी दोषों को सुधारेगें ।
स्पष्टीकरण	: अध्यापक कविता के माध्यम से भारत देश की विशेषताओं को छात्रों को बताएँगे । देश के पहरेदार ऊँचे-ऊँचे पहाड़ हैं, विभिन्न ऋतुएँ, विभिन्न फूल, विभिन्न फसलें देश की विशेषताएँ हैं । अध्यापक शब्दों के अर्थ उनके वाक्य प्रयोग, कविता की पंक्तियाँ, पर्यायवाची, लिंग बदलिये, वचन बदलिये, विलोम शब्द भी समझाएँगे ।

बोध प्रश्न :

1. देश के पहरेदार कौन हैं ?
2. पक्षी कैसे स्वर में बोलते हैं ?
3. कविता हमें क्या संदेश देती है ?

श्यामपट्ट कार्य	: अध्यापक ने अर्थ बताते हुए जो शब्द बोले थे । उनको छात्रों से श्यामपट्ट पर लिखवाएँगे । शब्दों के अर्थ, विलोम शब्द, लिंग बदलिये, वचन बदलिये को बच्चों को क्रमशः को बुलाकर करवाएँगे । लघु प्रश्न लिखकर उनके उत्तर तथा एक पंक्ति लिखकर कार्य समझाकर छात्रों से करवाएँगे ।
अवलोकन कार्य	: जिस समय छात्र कार्य कर रहे होंगे अध्यापक अन्य छात्रों का निरीक्षण करते रहेंगे । श्यामपट्ट पर कार्य करने का सभी को अवसर देंगे ।

(द्वितीय कालांश)

प्रकरण	: देश हमारा
सामान्य उद्देश्य	: पूर्ववत्
विशिष्ट उद्देश्य	: पूर्ववत्
सहायक सामग्री	: पूर्ववत्
शिक्षण विधि	: पूर्ववत्
पूर्वज्ञान	: विद्यार्थियों को कविता के अर्थ तथा भाव का पूर्ण ज्ञान हो गया है ।



क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	झरने कैसे लगते हैं ?	मनोहर, सुंदर लगते हैं ।
2.	हमारा देश कैसा लगता है ?	सबसे प्यारा, सबसे न्यारा ।
3.	धरती की शान कौन बढ़ाते हैं ?	खेत-खलिहान, बाग-बगीचे

कक्षा कार्य : अध्यापक पुस्तक में दिए अभ्यास कार्य को निर्देशानुसार छात्रों द्वारा पूर्ण कराएँगे ।

लिखित –

लिखित प्रश्नों के उत्तर छात्र स्वयं करेंगे । प्रश्न 2 में उचित विकल्प चुनकर सही का चिह्न लगाएँगे । प्रश्न 3 में कविता की पंक्तियाँ छात्रों से पूरी करवाएँगे । प्रश्न 4 में वाक्य प्रयोग करवाएँगे । कल्पना के पंख के अंतर्गत प्रश्न पर चर्चा करेंगे ।

भाषा का जादू –

विलोम शब्द, पर्यायवाची शब्द, विभिन्न त्योहारों के नाम लिखना, बहुवचन में बदलना, लिंग बदलना आदि कार्य कराएँगे ।

अवलोकन कार्य : कक्षा कार्य के समय विद्यार्थियों के कार्य का बराबर अवलोकन करेंगे । छात्रों को कोई असुविधा होगी तो उसे हल करने में मदद करेंगे ।

गृह कार्य :

- समस्त कार्य को दोहराएँगे ।
- गणितीय प्रश्न हल करेंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. देश प्रति सम्मान सीखा ।
2. देश से प्रेम करना सीखा ।
3. भाषा के ज्ञान का विस्तार हुआ ।
4. रचनात्मक कौशल का विकास होना ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

गणितीय प्रश्न को हल करने में छात्रों की मदद करेंगे ।

यह भी जानिए के अंतर्गत दी जानकारी से छात्रों को अवगत कराएँ ।

रचनात्मक कौशल के अंतर्गत दिए चित्रों को झंडी को उनके देश के नामों से मिलान करवाएँगे ।



पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	4	हिंदी	कहानी	1	40 मिनट

प्रकरण : सच्चाई का उपहार

लेखक : मुशी प्रेमचंद

सामान्य उद्देश्य

1. कहानी के माध्यम से सच्चाई के महत्त्व को बताना ।
2. मित्रों की शिकायत सोच समझ कर करना ।
3. व्याकरण के सामान्य नियमों से परिचय कराना ।
4. अभिव्यक्ति कौशल का विकास कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति छात्रों की रुचि उत्पन्न करना ।
छात्रों को ईमानदार और विनयी बनाना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, उत्तर-पुस्तिका, कलम, पाठ से संबंधित चित्र ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : छात्रों को सच्चाई के विषय में कुछ पूर्व ज्ञान है ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	हम अपने मन से किसे चुनते हैं ?	मित्रों को
2.	हमारे अंदर कौन-कौन से गुण होने चाहिए ?	ईमानदारी, सच्चाई, दया
3.	हमें हमेशा किसका साथ देना चाहिए ?	सच्चाई का

उद्देश्य कथन : आज हम आपको सच्चाई का साथ देने वाले छात्र की कहानी पढ़ाएँगे ।
“सच्चाई का उपहार” कहानी पढ़ाएँगे ।



पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

आदर्श वाचन	: अध्यापक पाठ का चित्र दिखाते हुए पाठ आरंभ करेंगे । वे पाठ का वाचन करते हुए कठिन शब्दों का उच्चारण व अर्थ भी स्पष्ट करते जाएँगे ।
अनुकरण वाचन	: अध्यापक के वाचन के पश्चात् छात्र भी पाठ को पढ़ेंगे ।
सस्वर वाचन	: छात्र, अध्यापक के साथ महत्त्वपूर्ण अंशों को दोहराएँगे ।
उच्चारण संशोधन	: जहाँ उच्चारण दोष होगा । अध्यापक उसमें सुधार भी करवाएँगे ।
स्पष्टीकरण	: अध्यापक सच्चाई की ताकत, महत्त्व को बताते हुए उसे जीवन में अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे । पाठ का अर्थ, शब्दों के समानार्थी शब्द, विलोम शब्द, तत्सम् शब्द भी स्पष्ट करेंगे । पाठ के अंतर्गत आए मौखिक प्रश्नों को पूछकर अधिगम की परीक्षा लेते जाएँगे ।

बोध प्रश्न :

1. भवानी सहाय क्या थे और उन्हें किस बात का शौक था ?
2. बाज बहादुर को किसने डराने का प्रयास किया और क्यों ?
3. घर लौटते समय बाज बहादुर के साथ क्या हुआ ?

श्यामपट्ट कार्य	: अध्यापक छात्रों के अधिगम की परीक्षा हेतु उनमें से एक-एक छात्र को बुलाकर शब्दों की वर्तनी लिखवाएँगे, तत्पश्चात् अन्य छात्रों से शब्दार्थ लिखाएँगे । रिक्त स्थान तथा सही/गलत के चिह्न लगवाएँगे । शब्दों के वर्ण विच्छेद श्यामपट्ट पर छात्रों द्वारा अध्यापक कराएँगे । काल बताओ, उपसर्ग लगाकर शब्द बनवाएँगे । ।
अवलोकन कार्य	: जिस समय छात्र कार्य करें उनका निरीक्षण अध्यापक करें ।

(द्वितीय कालांश)

प्रकरण	: 'सच्चाई का उपहार' का अभ्यास कार्य ।
सामान्य उद्देश्य	: पूर्ववत्
विशिष्ट उद्देश्य	: पूर्ववत्
सहायक सामग्री	: पूर्ववत्
शिक्षण विधि	: पूर्ववत्
पूर्वज्ञान	: छात्रों को पाठ का पूर्ण ज्ञान हो चुका है । वे अभ्यास कार्य करने में सक्षम हैं ।



क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	मुंशी प्रेमचंद की कुछ प्रमुख कहानियों के नाम बताओ ?	नमक का दरोगा, ईदगाह आदि ।
2.	हमें मित्रों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए ?	अच्छा व्यवहार
3.	ईमानदारी/सच्चाई का परिणाम कैसा होता है ?	अच्छा होता है ।

कक्षा कार्य : अध्यापक पुस्तक में दिए अभ्यास कार्य को अपने निरीक्षण में पूरा कराएँगे । वे लिखित प्रश्नों के उत्तर, बहुविकल्पीय प्रश्न, रिक्त स्थान पूर्ति छात्रों को स्वयं करने देंगे । कल्पना के पंख के अंतर्गत प्रश्न पर पहले कक्षा में चर्चा करके पूरा करवाएँगे । व्याकरण संबंधी कार्य श्यामपट्ट पर अभ्यास कार्य के समान पूरा कराएँगे ।

अवलोकन कार्य : छात्रों का सतत् निरीक्षण करें । त्रुटियों का संशोधन साथ-साथ करेंगे ।

गृह कार्य :

- समस्त पाठ को दोहराने का निर्देश दें । भारत के प्रधान मंत्रियों के नाम क्रम से याद करेंगे ।
- वृक्ष लगाने पर एक पोस्टर बनवाएँ तथा कक्षा में लगवाएँ ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. पाठ द्वारा नैतिक मूल्यों का विस्तार हुआ ।
2. भाषा ज्ञान में वृद्धि हुई ।
3. व्याकरण ज्ञान का पुनर्भ्यास हुआ ।
4. अभिव्यक्ति कौशल में वृद्धि हुई ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

यह भी जानिए के अंतर्गत दी जानकारी छात्रों को देंगे ।

रचनात्मक कौशल के अंतर्गत स्लोगन लिखवाएँगे ।

फूलों के चित्र बनवाकर उनके नाम लिखवाएँगे ।



पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	4	हिंदी	गद्य	1	40 मिनट

प्रकरण : हमारी जिम्मेदारी (कहानी)

सामान्य उद्देश्य

1. कहानी के माध्यम से जीवन में स्वास्थ्य और सफाई के महत्त्व का संदेश देना ।
2. भाषा के विविध रूपों से परिचय कराना ।
3. व्याकरण के सामान्य नियमों से परिचित कराना ।
4. अभिव्यक्ति कौशल का विकास करना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति छात्रों की रुचि उत्पन्न करना ।
छात्रों को विनम्र और संतोषी बनाना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, सफाई से संबंधित चित्र, उत्तर-पुस्तिका, कलम ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : छात्रों की सफाई के विषय में पूर्व जानकारी है । वे कहानी पढ़ने और समझने में सक्षम हैं ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	जीवन में स्वस्थ रहने के लिए क्या आवश्यक है ?	सफाई, योग
2.	हमारी किसके प्रति जिम्मेदारी होनी चाहिए ?	स्वच्छता के प्रति, माता-पिता
3.	हमारा देश कैसे सुंदर हो सकता है ?	स्वच्छता से

उद्देश्य कथन : आज हम आपको स्वच्छता के प्रति 'हमारी जिम्मेदारी' नामक कहानी पढ़ाएँगे ।
इस कहानी से हमें स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने की प्रेरणा मिलती है ।



पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक पाठ का परिचय देते हुए पाठ का वाचन करेंगे । वाचन भाव अभिनय के साथ करेंगे । जिससे रोचकता बनी रहे ।
- अनुकरण वाचन** : स्वयं पढ़ने के बाद विद्यार्थियों से भी पाठ का वाचन करवाएँगे ।
- सस्वर वाचन** : कठिन शब्दों का उच्चारण विद्यार्थियों के साथ अध्यापक करेंगे ।
- उच्चारण संशोधन** : अध्यापक विद्यार्थियों के उच्चारण दोष का संशोधन कराते जाएँगे ।
- स्पष्टीकरण** : पाठ का अर्थ स्पष्ट करने से पूर्व कठिन शब्दों की वर्तनी तथा शब्दार्थ लिखकर दिखाएँगे । पाठ का अर्थ समझाते हुए अधिगम की जाँच हेतु मौखिक प्रश्न भी पूछेंगे । सफाई कर्मचारियों को सफाई करते देखकर, कीड़े मारने की दवा डालते हुए देखकर, रजत और उसके साथ घर के पास के पार्क की सफाई करने का अभियान चलाते हैं । सबको स्वच्छता का महत्त्व बताते हैं ।

बोध प्रश्न :

1. रजत अपनी माँ से क्या पूछता है ?
2. स्वास्थ्य कर्मचारी सफाई किस प्रकार करते हैं ?
3. क्या आप किसी सार्वजनिक स्थान की सफाई में सहयोग देते हैं ?

- श्यामपट्ट कार्य** : अध्यापक शब्दों की वर्तनी छात्रों को शुद्ध करके दिखाएँगे फिर उसका अभ्यास कराएँगे । शब्दार्थ, लघु प्रश्न, रिक्त स्थान की पूर्ति छात्रों द्वारा कराएँगे । छात्रों को विलोम शब्द, वर्ण-विच्छेद, उपसर्ग के विषय में समझाएँगे । प्रत्येक विद्यार्थी को श्यामपट्ट पर कार्य करने का अवसर देगे ।

- अवलोकन कार्य** : जिस समय विद्यार्थी श्यामपट्ट कार्य करें उनका तथा अन्य विद्यार्थियों का सतत् निरीक्षण करें । अशुद्धि का संशोधन कराते जाएँगे ।

(द्वितीय कालांश)

- प्रकरण** : 'हमारी जिम्मेदारी' का अभ्यास कार्य ।
- सामान्य उद्देश्य** : पूर्ववत्
- विशिष्ट उद्देश्य** : पूर्ववत्
- सहायक सामग्री** : पूर्ववत्
- शिक्षण विधि** : पूर्ववत्
- पूर्वज्ञान** : विद्यार्थियों को पाठ के अर्थ व भाव का पूर्ण ज्ञान है । वे अभ्यास कार्य करने में सक्षम हैं ।



क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	सफाई कर्मचारी क्या कर रहे थे ?	नालियों में दवा डाल रहे थे ।
2.	पार्क में किसके छिलके फैले थे ? उन पर कौन भिन्न भिन्ना रहे थे ?	संतरे, मक्खी, मच्छर भिन्न भिन्नाते हैं ।
3.	सफाई रखना किसकी जिम्मेदारी है ?	हम सबकी है ।

कक्षा कार्य : अध्यापक पुस्तक में दिए अभ्यास कार्य को छात्रों द्वारा कराएँगे ।

लिखित –

प्रश्नों के लिखित उत्तर, सही विकल्प चिह्नित करना, रिक्त स्थान की पूर्ति विद्यार्थी पूर्व अभ्यास के कारण स्वयं करेंगे । कल्पना के पंख के अंतर्गत दिए प्रश्न की चर्चा अध्यापक कक्षा में करेंगे ।

भाषा का जादू –

भाषा का जादू के अंतर्गत दिए प्रश्न पर भी अध्यापक मौखिक विमर्श करें तब हल कराएँगे । अन्य प्रश्न छात्र स्वयं करेंगे । तार्किक प्रश्न हल करने से पूर्व कुछ उदाहरण अध्यापक देंगे ।

अवलोकन कार्य : कक्षा कार्य के समय अध्यापक सतत् निरीक्षण करें ।

अशुद्धि शोधन : अशुद्धियों का संशोधन साथ-साथ कराते जाएँगे ।

गृह कार्य :

- समस्त पाठ को दोहराने का निर्देश देंगे ।
- रचनात्मक कौशल के अंतर्गत सफाई पर बैनर का कार्य पूरा करने का निर्देश देंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. अपने घर के अलावा आस-पास सफाई रखना जरूरी है ।
2. सफाई के प्रति हमारी जिम्मेदारी है, इसकी सीख मिली ।
3. हिंदी भाषा ज्ञान का विस्तार हुआ ।
4. अभिव्यक्ति कौशल को विस्तार मिला ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

अध्यापक यह भी जानिए के अंतर्गत दी जानकारी से छात्रों को अवगत कराएँगे ।

रचनात्मक कौशल में दिए प्रश्न पर चिह्न लगावाएँगे । सफाई पर अच्छा सा नारा (Slogan) बनवाएँगे ।



पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	4	हिंदी	गद्य	1	40 मिनट

प्रकरण : कर्नाटक की सैर (यात्रा)

सामान्य उद्देश्य

1. यात्रा के महत्त्व और लाभ को बताना ।
2. हिंदी भाषा के ज्ञान को विस्तार देना ।
3. व्याकरण का सामान्य परिचय देना ।
4. अभिव्यक्ति कौशल में वृद्धि करना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति छात्रों की रुचि उत्पन्न कराना ।

पर्यटन/यात्रा के प्रति आकर्षण जाग्रत कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, उत्तर-पुस्तिका, कलम, विभिन्न स्थान को दर्शाता चार्ट, डाक्यूमेंटरी फिल्म ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : छात्रों को अनेक स्थानों की यात्रा की है ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	आप तनाव दूर करने के लिए क्या करते हैं ?	घूमने जाते हैं, खेलते हैं
2.	एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमने जाने को क्या कहते हैं ?	यात्रा/पर्यटन
3.	दक्षिण भारत के प्रमुख स्थान घूमने के कौन-कौन से हैं ?	चेन्नई, कर्नाटक, केरल आदि ।

उद्देश्य कथन : आज हम लोग “कर्नाटक की सैर” नामक पाठ पढ़ेंगे । जो यात्रा विधा पर आधारित है ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक यात्रा के लाभ और महत्त्व बताते हुए पाठ का वाचन करेंगे।
- अनुकरण वाचन** : विद्यार्थी अध्यापक का अनुकरण करते हुए पाठ को एक-एक कर वाचन करेंगे।
- सस्वर वाचन** : सभी विद्यार्थी पाठ को एक साथ पढ़ेंगे। जो समझ में नहीं आएगा उसको अध्यापक से पूछेंगे।
- उच्चारण संशोधन** : जहाँ उच्चारण अशुद्धि होगी उसको अध्यापक सुधारेंगे।
- स्पष्टीकरण** : पाठ को पढ़ लेने के बाद अध्यापक पाठ का अर्थ स्पष्ट करेंगे। वे कठिन शब्दों के अर्थ बताएँगे। सर्वनाम, विराम चिह्न, अशुद्ध शब्दों को शुद्ध करना भी बताएँगे। पाठ में आए प्रश्नों को छात्रों से पूछकर उनके अधिगम की परीक्षा भी करेंगे। पाठ समझाने के बाद किसने किससे कहा, सही मिलान कीजिए, वाक्यों के प्रयोग के विषय में बताएँगे।

बोध प्रश्न :

1. कर्नाटक की राजधानी क्या है ?
2. कर्नाटक के प्रमुख स्थान कौन-कौन से हैं ?
3. यात्रा से क्या-क्या लाभ होते हैं ?

- श्यामपट्ट कार्य** : अध्यापक पूर्णतः जब आश्वस्त हो जाए तब छात्रों की अधिगम की परीक्षा हेतु श्यामपट्ट पर कुछ शब्द लिखेंगे। इसी प्रकार शब्द अर्थ, अशुद्ध शब्द, वाक्य प्रयोग लिखवाएँगे। रिक्त स्थानों की पूर्ति, शब्द जोड़कर बनाना सिखाएँगे। श्यामपट्ट के कार्य को छात्र अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे और अध्यापक उनका निरीक्षण करेंगे।

(द्वितीय कालांश)

- प्रकरण** : “कर्नाटक की सैर” का अभ्यास कार्य।
- सामान्य उद्देश्य** : पूर्ववत्
- विशिष्ट उद्देश्य** : पूर्ववत्
- सहायक सामग्री** : पूर्ववत्
- शिक्षण विधि** : पूर्ववत्

पूर्वज्ञान : छात्र पाठ का अर्थ व उद्देश्य समझ चुके हैं । वे अभ्यास कार्य करने में सक्षम हैं ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	कर्नाटक के मुख्य व्यंजन क्या हैं ?	वेले भात, मेदू बड़ा, मसाला डोसा, मैसूर पाक ।
2.	बैंगलूर में घूमने के कौन-कौन से स्थान हैं ?	शिवमूर्ति, इस्कॉन मंदिर, टीपू पैलेस आदि ।
3.	कौन सी जगह चाय, कॉफी के बागानों के लिए जानी जाती है ?	चिकमगलूर

कक्षा कार्य : अध्यापक पुस्तक में दिए अभ्यास कार्य को पूरा करने का निर्देश देंगे ।
लिखित –

प्रश्नों के लिखित उत्तर, बहुविकल्पीय प्रश्न, मिलान करिए, विद्यार्थी स्वयं पूरा करेंगे । कल्पना के पंख में दिए प्रश्न को छात्र अध्यापक से विमर्श करके पूरा करेंगे ।

भाषा का जादू –

विराम चिह्न, नए शब्द बनाना, विलोम शब्द, शुद्ध शब्द लिखना, गणितीय प्रश्न को पूर्वाभ्यास के आधार पर पूर्ण करेंगे ।

गृह कार्य :

- छात्र समस्त पाठ को दोहराएँगे ।
- रचनात्मक कौशल में दिए कार्य को गृहकार्य में करेंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. पाठ के माध्यम से एक नवीन स्थान से परिचय हुआ ।
2. व्याकरण व भाषा ज्ञान का पुर्नभ्यास किया ।
3. नए व्यंजन, स्थान और पोशाक से परिचय हुआ ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

अध्यापक यह भी जानिए के अंतर्गत दी जानकारी को छात्रों को बताएँगे तथा चार्ट में दिए कर्नाटक के प्रमुख स्थान व्यंजन, पोशाक से अवगत कराएँगे । कर्नाटक पर आधारित डॉक्यूमेंटरी भी विद्यार्थी को दिखाएँगे ।

पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	4	हिंदी	गद्य	1	40 मिनट

प्रकरण : ओणम

सामान्य उद्देश्य

1. पाठ के माध्यम से त्योहार के विषय और महत्त्व को बताना ।
2. भाषा ज्ञान का विस्तार कराना ।
3. व्याकरण के सामान्य नियमों से परिचित कराना ।
4. गणितीय कौशल का विकास कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न करना ।

त्योहारों के प्रति सजगता उत्पन्न करना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, त्योहार से संबंधित चार्ट, उत्तर-पुस्तिका, कलम ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : विद्यार्थी पढ़ने लिखने में कुशल हो गए हैं ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	भारत में आपसी मेल मिलाप और प्रेम के लिए क्या करते हैं ?	त्योहार मनाते हैं ।
2.	भारत के किन्हीं प्रमुख त्योहारों के नाम बताइए ?	होली, दीवाली, ईद आदि ।
3.	दक्षिण भारत में कौन-कौन से त्योहार मनाते हैं ?	पोंगल, ओणम, गुड़ी पड़वा आदि ।

उद्देश्य कथन : बिल्कुल ठीक । आज हम आपको “ओणम” त्योहार पर आधारित पाठ पढ़ाएँगे। उसके विषय में जानकारी प्राप्त होगी ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

आदर्श वाचन	: पाठ का परिचय देकर अध्यापक पाठ का वाचन आरंभ करेंगे ।
अनुकरण वाचन	: अध्यापक के वाचन का अनुकरण करते हुए छात्र भी पाठ का वाचन करेंगे ।
सस्वर	: अध्यापक कठिन शब्दों व उनके अर्थ को भी छात्रों को बताएँगे ।
उच्चारण संशोधन	: छात्रों के उच्चारण में अशुद्धि हुई तो अध्यापक सुधार करवाएँगे ।
स्पष्टीकरण	: पाठ के नवीन शब्दों के अर्थ श्यामपट्ट पर लिखकर छात्रों को समझाएँगे । पाठ का अर्थ ग्रहण करते हुए बीच में दिए मौखिक प्रश्नों को भी पूछते जाएँगे । चार्ट दिखाते हुए अध्यापक ओणम के विषय में छात्रों को समझाएँगे । ओणम कब, कहाँ और कैसे मनाते हैं, इस बात को अध्यापक छात्रों को स्पष्ट करेंगे ।

बोध प्रश्न :

1. ओणम कहाँ मनाया जाता है ?
2. ओणम का नाम कैसे पड़ा ?
3. ओणम त्योहार क्यों मनाते हैं ?

श्यामपट्ट कार्य	: अध्यापक छात्रों द्वारा शब्दों की वर्तनी शुद्ध करवाएँगे । लघु प्रश्नोत्तर, रिक्त स्थान पूर्ति तथा सही/गलत के निशान श्यामपट्ट पर करवाएँगे । शब्दों को जोड़कर नये शब्द बनाना, संज्ञा के भेद, का, की, के प्रयोग करना आदि कार्य श्यामपट्ट पर करवाया जाएगा ।
अवलोकन कार्य	: जिस समय छात्र काम करेंगे । अध्यापक अन्य छात्रों की संलग्नता की भी जाँच करते रहेंगे ।

(द्वितीय कालांश)

प्रकरण	: 'ओणम' का अभ्यास कार्य
सामान्य उद्देश्य	: पूर्ववत्
विशिष्ट उद्देश्य	: पूर्ववत्
सहायक सामग्री	: पूर्ववत्
शिक्षण विधि	: पूर्ववत्
पूर्वज्ञान	: विद्यार्थियों को पाठ का पूर्ण ज्ञान हो गया है । वे अभ्यास कार्य करने में समर्थ हैं ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	केरल का कौन सा नृत्य प्रसिद्ध है ?	कथकली
2.	ओणम त्योहार कहाँ मनाते हैं ?	केरल में
3.	ओणम का मुख्य आकर्षण क्या है ?	नौका दौड़

कक्षा कार्य : अध्यापक पुस्तक में दिए अभ्यास कार्य को छात्रों द्वारा पूरा कराएँगे ।

लिखित –

लिखित प्रश्नों के उत्तर, बहुविकल्पीय प्रश्न, सही/गलत के चिह्न, वाक्यों को सही क्रम में लिखने का कार्य छात्र अध्यापक के निर्देशन में पूरा करेंगे ।

कल्पना के पंख में दिए प्रश्न पर अध्यापक पहले जानकारी उपलब्ध कराएँगे ।

भाषा का जादू –

पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, व्यक्तिवाचक संज्ञा, वाक्यांश के लिए एक शब्द तथा गणितीय प्रश्न छात्र पूर्वाभ्यास से पूर्ण करेंगे ।

अवलोकन कार्य : जिस समय कक्षा कार्य हो रहा हो अध्यापक सभी छात्रों के काम और उसकी गति व सुलेख का निरीक्षण करते रहेंगे । अशुद्धियों का सुधार साथ-साथ करवाएँगे ।

गृह कार्य :

- समस्त पाठ को याद करेंगे ।
- रचनात्मक कौशल में दिए कार्य को पूरा करने का निर्देश देंगे ।
- सम्पूर्ण पाठ को दोहराने, शब्दार्थ याद करने का निर्देश भी देंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. पाठ के माध्यम से एक महत्वपूर्ण त्योहार की जानकारी मिली ।
2. नवीन शब्द व उनके प्रयोग को सीखा ।
3. रचनात्मक कौशल में वृद्धि हुई ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

यह भी जानिए के अंतर्गत दी जानकारी से छात्रों को देंगे ।

पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	4	हिंदी	कविता	1	40 मिनट

प्रकरण : वर्ष गीत

कवि : बाल स्वरूप राही

सामान्य उद्देश्य

1. छात्रों को कविता के माध्यम से विभिन्न ऋतुओं का परिचय देते हुए उनके विषय में बताना ।
2. हिंदी भाषा का ज्ञान बढ़ाना ।
3. व्याकरण के सामान्य नियमों से अवगत कराना ।
4. तार्किक बुद्धि का विकास कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति छात्रों में रुचि उत्पन्न करना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, उत्तर-पुस्तिका, कलम, कविता से संबंधित चार्ट ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : विद्यार्थी विभिन्न ऋतुओं के नामों से परिचित हैं ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	भारत में कितनी ऋतुएँ होती हैं ?	छः ऋतुएँ
2.	एक वर्ष में कितने महीने होते हैं ?	12 महीने
3.	वर्ष का पहला और आखिरी महीना कौन सा है ?	जनवरी और दिसम्बर

उद्देश्य कथन : आज हम आपको महीनों के नाम पर आधारित कविता पढ़ाएँगे ।
अलग-अलग ऋतुओं के विषय में भी बताएँगे ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

आदर्श वाचन	: अध्यापक कविता का पाठ करेंगे । कठिन शब्दों के अर्थ स्पष्ट करते जाएँगे ।
अनुकरण वाचन	: अध्यापक के वाचन पश्चात् छात्र पाठ करेंगे ।
सस्वर वाचन	: अध्यापक के साथ छात्र कविता का भाव के साथ पाठ करेंगे ।
उच्चारण संशोधन	: अध्यापक तुरंत उच्चारण की अशुद्धि हुई तो सुधार करवाएँगे ।
स्पष्टीकरण	: कविता के पाठ के उपरांत अध्यापक पाठ का अर्थ स्पष्ट करते जाएँगे । शब्दों की वर्तनी, शब्दार्थ भी बताते जाएँगे । महीनों के नाम के साथ ऋतुओं के विषय में बताना कविता की विशेषता है । कविता के अर्थग्रहण के साथ अध्यापक विभिन्न प्रश्नों को पूछकर छात्रों की संलग्नता की जाँच भी करते जाएँगे । कविता में आए समानार्थी शब्द, तत्सम् शब्द, अनेकार्थी शब्दों का भी मौखिक अभ्यास कराएँगे ।

बोध प्रश्न :

1. मार्च-अप्रैल में क्या होता है ?
2. हल्का स्वेटर किस महीने में पहनते हैं ?
3. दिसंबर का महीना क्या कहता है ?

श्यामपट्ट कार्य	: अध्यापक श्यामपट्ट पर शब्दों की वर्तनी लिखने का अभ्यास करवाएँगे । इसी प्रकार शब्दों के अर्थ भी लिखने का अभ्यास करवाएँगे । लघु प्रश्नोत्तर, समानार्थी शब्द 'र' के रूप में शब्द लिखवाएँगे ।
अवलोकन कार्य	: श्यामपट्ट पर कार्य हेतु एक-एक कर छात्र आएँगे । अन्य छात्रों के कार्य का अध्यापक सतत निरीक्षण करेंगे ।

(द्वितीय कालांश)

प्रकरण	: 'वर्ष गीत' का अभ्यास कार्य ।
सामान्य उद्देश्य	: पूर्ववत्
विशिष्ट उद्देश्य	: पूर्ववत्
सहायक सामग्री	: पूर्ववत्
शिक्षक विधि	: पूर्ववत्
पूर्वज्ञान	: विद्यार्थियों को कविता का अर्थ व भाव समझ आ गया है । वे अभ्यास कार्य करने में समर्थ हैं ।



क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	इस कविता के कवि कौन हैं ?	बाल स्वरूप 'राही'
2.	कविता में किस विषय को बनाया गया है ?	महीने और ऋतु
3.	जनवरी-फरवरी की क्या विशेषता है ?	सुंदर फूल खिलाता है, ठंड लाता है ।

कक्षा कार्य : लिखित –

लिखित प्रश्नों के उत्तर, सही विकल्प पर चिह्न लगाना तथा सही/गलत के चिह्न लगाने का कार्य छात्र स्वयं करेंगे । कविता की अगली पंक्ति के लिए कक्षा में अभ्यास कराएँ तब लिखवाएँ ।

कल्पना के पंख के दिए प्रश्न को छात्र स्वयं हल करेंगे ।

भाषा का जादू –

विलोम शब्द, विशेषण लिंग, शब्दों का पूर्वाभ्यास के आधार पर पूर्ण करेंगे । प्रश्न 5 पर अध्यापक कक्षा में चर्चा करेंगे ।

अवलोकन कार्य : कक्षा कार्य के समय अध्यापक कक्षा का सतत् निरीक्षण करते रहें । कार्य में असुविधा हो रही हो उसे पुनः समझाएँ ।

गृह कार्य :

- छात्र समस्त कार्य को दोहराएँगे ।
- कविता को कंठस्थ करेंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. पाठ के माध्यम से प्रसिद्ध कवि की कविता का आनंद प्राप्त किया ।
2. भाषा और शब्द सामर्थ में वृद्धि हुई ।
3. व्याकरण ज्ञान का विकास हुआ ।
4. पहेलियों के माध्यम से मनोरंजन हुआ ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

अध्यापक यह भी जानिए के अंतर्गत दी गई जानकारी से छात्रों को भी अवगत कराएँ । रचनात्मक कौशल में चित्र को पहचानकर ऋतुओं के नाम छात्र बताएँगे ।

पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	4	हिंदी	गद्य	1	40 मिनट

प्रकरण : सुंदरवन में कंप्यूटर

सामान्य उद्देश्य

1. पाठ के माध्यम से, नई चीज जानकारी से बुद्धि का विकास हुआ है, यह बताना ।
2. साहित्य की हास्य विधा से परिचय कराना ।
3. व्याकरण के सामान्य नियमों से परिचय कराना ।
4. बुद्धि चातुर्य और रचनात्मक कौशल का विकास ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न करना ।

हास्य के माध्यम से आनंद प्राप्त करना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, उत्तर-पुस्तिका, कलम, पाठ से संबंधित चार्ट ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : छात्र कंप्यूटर से पहले से परिचित हैं । वे कंप्यूटर के विषय में जानते हैं ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	आजकल सारे काम किसके द्वारा किए जाते हैं ?	मशीनों द्वारा
2.	मशीनों में लेखा जोखा और डाटा का काम कौन करता है ?	कंप्यूटर
3.	कंप्यूटर सीखना क्यों जरूरी है ?	बुद्धि का विकास होता है ।

उद्देश्य कथन : आज हम आपको 'सुंदरवन में कंप्यूटर' नामक हास्य पाठ पढ़ाएँगे । जिससे कंप्यूटर ज्ञान प्राप्त होगा ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक कंप्यूटर का परिचय देते हुए पाठ का वाचन करेंगे । हास्य के भाव के साथ पाठ का वाचन करेंगे ।
- अनुकरण वाचन** : अध्यापक के पश्चात् छात्र पाठ का वाचन करेंगे ।
- सस्वर वाचन** : अध्यापक के साथ-साथ छात्र सस्वर पाठ का वाचन करेंगे ।
- उच्चारण संशोधन** : उच्चारण की स्पष्टता एवम् शुद्धता का अध्यापक ध्यान रखेंगे । उसमें अपेक्षित सुधार कराएँगे ।
- स्पष्टीकरण** : जब पाठ का पूर्ण वाचन संपन्न हो जाएगा तो अध्यापक पाठ का भाव स्पष्ट करेंगे । वे शब्दों के अर्थ उनकी वर्तनी बताते जाएँगे । अर्थग्रहण के बीच मौखिक प्रश्नों को भी हल करवाएँगे । सर्वनाम छोटना, स्त्रीलिंग शब्द बनाना, विशेषण, भाववाचक संज्ञा, वाक्य प्रयोग करना अध्यापक स्पष्ट करेंगे ।

बोध प्रश्न :

1. कंप्यूटर कौन सीखना चाहता था ?
2. बंटू क्या काम करता था ?
3. साइबर कैफे में क्या-क्या कार्य कर सकते हैं ?

- श्यामपट्ट कार्य** : अध्यापक पाठ से जुड़े लघु प्रश्नों को, रिक्त स्थानों को पूर्ण करना, शब्दार्थ, विलोम शब्द श्यामपट्ट पर लिखेंगे । छात्रों को क्रमवार बुलाकर उनको हल करवाएँगे । वाक्यों के आगे सही/गलत के चिह्न लगाने का निर्देश देंगे । उत्तर-पुस्तिका में कब, कहाँ, कैसे लगाकर वाक्य लिखने का निर्देश देंगे ।
- अवलोकन कार्य** : श्यामपट्ट पर कार्य करने का अवसर अधिकतम छात्रों को देंगे । जो छात्र श्यामपट्ट पर नहीं कार्य कर रहे उनकी संलग्नता की जाँच भी करते रहेंगे ।

(द्वितीय कालांश)

- प्रकरण** : “सुंदरवन में कंप्यूटर” का अभ्यास कार्य ।
- सामान्य उद्देश्य** : पूर्ववत्
- विशिष्ट उद्देश्य** : पूर्ववत्
- सहायक सामग्री** : पूर्ववत्
- शिक्षण विधि** : पूर्ववत्



पूर्वज्ञान : विद्यार्थियों को पाठ का अर्थ समझ आ चुका है । वे अभ्यास कार्य करने में सक्षम हैं ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	पाठ में किन-किन पशुओं के बारे में बताया गया है ?	बंदर, बिल्ली, मुर्गा, चूहा
2.	बिल्ली ने कितना समय साइबर कैफे में बिताया था ?	1 घंटा
3.	रैदू चूहे ने मेल में क्या लिखा था ?	दूध मलाई खाया करो, हार्डडिस्क से पेटफट जाएगा ।

कक्षा कार्य : अध्यापक पुस्तक में दिए कार्य को करने का छात्र को निर्देश देंगे ।
लिखित प्रश्नों के उत्तर, बहुविकल्पीय प्रश्न, सही/गलत के चिह्न का कार्य पूरा करेंगे ।
कल्पना के पंख में दिए प्रश्न पर अध्यापक पहले चर्चा करेंगे । गणितीय प्रश्न को समझाते हुए पूरा कराएँगे ।

अवलोकन कार्य : जिस समय छात्र कक्षा कार्य कर रहे होंगे । अध्यापक निरंतर निरीक्षण करेंगे । जो छात्रों को यदि कोई असुविधा होगी तो अध्यापक धैर्यपूर्वक समझाएँगे । यदि कोई त्रुटि दिखेगी तो उसका सुधार करवाएँगे ।

गृह कार्य :

- छात्र समस्त पाठ को दोहराएँगे ।
- शब्दार्थ, प्रश्नोत्तर कंठस्थ करेंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. पाठ के द्वारा भाषा ज्ञान में वृद्धि हुई ।
2. प्रश्नवाचक वाक्य बनाने का अभ्यास किया ।
3. अभिनय कौशल का अवसर मिला ।
4. सामान्य ज्ञान में वृद्धि हुई ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

छात्रों को “यह भी जानिए” के अंतर्गत दी जानकारी से अवगत कराएँ ।
रचनात्मक कौशल में दिए प्रश्न को गृहकार्य में हल कराएँ ।

पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	4	हिंदी	गद्य	1	40 मिनट

प्रकरण : बुलंद भारत की नई तस्वीर

सामान्य उद्देश्य

1. पाठ के माध्यम से विभिन्न खेल के प्रसिद्ध खिलाड़ियों से परिचित कराना ।
2. हिंदी भाषा में शामिल नवीन शब्दों और विदेशी शब्दों की जानकारी कराना ।
3. खेल से जुड़ी जानकारी देना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति छात्रों में रुचि उत्पन्न कराना ।

खेल भावना के अंतर्गत संयम, सहयोग व धैर्य का पाठ पढ़ाना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, खिलाड़ियों के चित्रों का चार्ट, खेल में प्रयुक्त होने वाले उपादानों के चित्र, उत्तर-पुस्तिका, कलम ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : विद्यार्थी विभिन्न खेलों के विषय में पूर्व जानकारी है ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	मैदान में खेले जाने वाले कुछ खेलों के नाम बताएँ ?	फुटबॉल, हॉकी, क्रिकेट, बैडमिंटन
2.	सायना नेहवाल और साक्षी मलिक किस खेल से संबंधित है ?	बैडमिंटन, कुश्ती ।
3.	कुछ प्रसिद्ध खिलाड़ियों के नाम बताइए ?	पी० वी० सिंधु, सायना नेहवाल, बचेंद्रीपाल आदि ।

उद्देश्य कथन : आज हम आपको भारत के विभिन्न खेलों से संबंधित खिलाड़ियों के विषय में पढ़ाएँगे । “बुलंद भारत की नई तस्वीर” नामक पाठ पढ़ाएँगे ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक खेल और खिलाड़ियों का सामान्य परिचय देते हुए पाठ का वाचन करेंगे । वे चार्ट में खेल, खिलाड़ी के चित्र दिखाते हुए उनसे परिचित कराएँगे ।
- अनुकरण वाचन** : अध्यापक का अनुकरण करते हुए छात्र पाठ का वाचन करेंगे ।
- सस्वर वाचन** : अध्यापक कठिन शब्दों का स्पष्ट उच्चारण करके दिखाएँगे । छात्र उनके साथ दोहराएँगे ।
- उच्चारण संशोधन** : जहाँ उच्चारण की अशुद्धि दिखेगी । अध्यापक उसका सुधार भी करवाएँगे ।
- स्पष्टीकरण** : पाठ का वाचन करने के पश्चात् अध्यापक पाठ का अर्थ समझाएँ । शब्दों के अर्थ स्पष्ट करते जाएँगे । बीच-बीच में समानार्थी शब्द, विशेषण शब्द, विलोम शब्द भी बताएँगे । शब्दों से वाक्य रचना भी स्पष्ट करेंगे । पाठ के मध्य में दिए मौखिक प्रश्नों को भी छात्रों से पूछते जाएँगे ।

बोध प्रश्न :

1. खेल से कौन से गुण सीखते हैं ?
2. कुछ 3 प्रमुख खेल और उनके खिलाड़ी के नाम बताएँ ?
3. कल्पना चावला क्या थीं ? उनके साथ कौन सी दुर्घटना हुई थी ?

- श्यामपट्ट कार्य** : जब अध्यापक आश्वस्त हो जाएँगे कि विद्यार्थी पाठ समझ चुके हैं, वे श्यामपट्ट पर पाठ समझ चुके हैं, वे श्यामपट्ट पर पाठ से संबंधित कार्य करवाएँगे । पाठ से चयनित शब्दों की वर्तनी शुद्ध करके छात्रों से लिखवाएँगे । रिक्त स्थानों की पूर्ति, बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर श्यामपट्ट पर लिखवाएँगे । सही मिलान, वाक्य प्रयोग, विशेषण लगाइए, वाक्य अलग-अलग लिखिए आदि कार्य करने का निर्देश देंगे । श्यामपट्ट पर कार्य करने का अवसर सभी छात्रों को देंगे ।

- अवलोकन कार्य** : श्यामपट्ट पर कार्य के दौरान अध्यापक अन्य छात्रों के अधिगम व संलग्नता पर निगाह रखेंगे ।

(द्वितीय कालांश)

- प्रकरण** : “बुलंद भारत की नई तस्वीर” के अभ्यास कार्य ।
- सामान्य उद्देश्य** : पूर्ववत्

विशिष्ट उद्देश्य	: पूर्ववत्
सहायक सामग्री	: पूर्ववत्
शिक्षण विधि	: पूर्ववत्
पूर्वज्ञान	: छात्रों को पाठ का पूर्व ज्ञान है । वे अभ्यास कार्य करने में सक्षम है ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	पी० वी० सिंधु ने किसे अपना कोच बनाया ?	पुलेला गोपीचंद
2.	साक्षी मलिक का जन्म कब हुआ था ?	3 सितंबर, 1992
3.	वचेन्द्रपाल ने 'सागरमाथा' पर कब झंडा फहराया था ?	1984

कक्षा कार्य : अध्यापक पुस्तक में दिए गए अभ्यास कार्य को छात्रों द्वारा पूर्ण कराएँगे ।

लिखित –

प्रश्नों के लिखित उत्तर, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान पूर्ति, सही/गलत के चिह्न छात्र पूर्वाभ्यास द्वारा स्वयं हल करेंगे । कल्पना के पंख के अंतर्गत कार्य पर अध्यापक पहले कक्षा में चर्चा करेंगे ।

भाषा का जादू –

अलग-अलग वाक्य करना, 'र' के सही चिह्न लगाना, संज्ञा-सर्वनाम छाँट कर, काल पहचानना कार्य कक्षा में करेंगे । स्वास्थ्य परक प्रश्न हल करवा कर कापी में करवाएँगे ।

गृह कार्य :

- छात्र संपूर्ण पात्र को दोहराएँ ।
- शब्दार्थ विलोम व समानार्थी शब्द याद करेंगे ।
- रचनात्मक कौशल के अंतर्गत प्रश्नों को गृहकार्य में करेंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. सामान्य ज्ञान का विकास हुआ ।
2. नवीन शब्दों की जानकारी हुई ।
3. व्याकरण के प्रश्नों का पुर्नभ्यास हुआ ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

अध्यापक यह भी जानिए के अंतर्गत दी जानकारी से छात्रों को अवगत कराएँगे ।
रचनात्मक कौशल में दिए प्रश्नों पर चर्चा करेंगे ।



पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	4	हिंदी	गद्य	1	40 मिनट

प्रकरण : पैट्रिक का होमवर्क

सामान्य उद्देश्य

1. कहानी के माध्यम से मेहनत, स्वयं कार्य करने का संदेश देना ।
2. भाषा के विविध रूपों से परिचय कराना ।
3. व्याकरण के सामान्य नियमों से परिचित कराना ।
4. अभिव्यक्ति कौशल का विकास कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना ।

छात्रों को स्वयं कार्य और मेहनत करना सिखाना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, उत्तर-पुस्तिका, कलम, पाठ से संबंधित चार्ट ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : छात्रों को मेहनत करने के महत्त्व के विषय में पूर्व जानकारी है ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	बच्चे कहाँ पढ़ने जाते हैं ?	स्कूल, विद्यालय
2.	बच्चों को सफल होने के लिए क्या करना चाहिए ?	मेहनत
3.	स्कूल में पढ़ाने के बाद क्या करने को दिया जाता है ?	होमवर्क

उद्देश्य कथन : आज हम आपको अपना कार्य स्वयं करने के महत्त्व पर आधारित एक कहानी सुनाएँगे । “पैट्रिक का होमवर्क” जिसमें अपना होमवर्क स्वयं करने की प्रेरणा दी गई है ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक पाठ का परिचय देते हुए कहानी का वाचन करेंगे । वाचन भाव के साथ करेंगे जिससे रोचकता बनी रहे ।
- अनुकरण वाचन** : स्वयं पढ़ने के बाद विद्यार्थियों से भी पाठ का वाचन करवाएँगे ।
- सस्वर** : कठिन शब्दों का उच्चारण विद्यार्थियों के साथ अध्यापक करेंगे ।
- उच्चारण संशोधन** : अध्यापक विद्यार्थियों के उच्चारण दोष का संशोधन कराते जाएँगे ।
- स्पष्टीकरण** : पाठ का अर्थ स्पष्ट करने से पूर्व कठिन शब्दों की वर्तनी तथा शब्दार्थ लिखकर दिखाएँगे । पाठ का अर्थ समझाते हुए अधिगम की जाँच हेतु मौखिक प्रश्नों को भी पूछेंगे ।

इस कहानी में बताया गया है कि बच्चों को अपने काम स्वयं करने चाहिए । जिससे वे मेहनत के महत्त्व को समझेंगे ।

कहानी के अर्थ ग्रहण के पश्चात् अध्यापक कुछ शब्दों के समानार्थी तथा विलोम शब्द भी बताएँगे ।

बोध प्रश्न :

1. पैट्रिक को क्या काम करना पसंद नहीं था ?
2. पैट्रिक किससे होमवर्क कराता था ?
3. पैट्रिक ने किस बात के महत्त्व को समझा ?

श्यामपट्ट कार्य : अध्यापक शब्दों की वर्तनी छात्रों को शुद्ध करके दिखाएँगे फिर उसका अभ्यास कराएँगे । शब्दार्थ, विलोम, लघु प्रश्न, रिक्त स्थान की पूर्ति, छात्रों द्वारा कराएँगे । प्रत्येक विद्यार्थी को श्यामपट्ट पर कार्य करने का अवसर देंगे ।

अवलोकन कार्य : जिस समय विद्यार्थी श्यामपट्ट कार्य करेंगे उनका तथा अन्य विद्यार्थियों का सतत निरीक्षण करें । अशुद्धियों का संशोधन कराते जाएँगे ।

(द्वितीय कालांश)

- प्रकरण** : “पैट्रिक का होमवर्क” का अभ्यास कार्य
- सामान्य उद्देश्य** : पूर्ववत्
- विशिष्ट उद्देश्य** : पूर्ववत्
- शिक्षण विधि** : पूर्ववत्
- सहायक सामग्री** : पूर्ववत्
- पूर्वज्ञान** : छात्रों को पाठ का ज्ञान हो चुका है । वे प्रश्नों के उत्तर देने में समर्थ हैं ।



क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	पैट्रिक को होमवर्क करने से ज्यादा अच्छा क्या लगता था ?	फुटबॉल, क्रिकेट खेलना
2.	पैट्रिक को हैरानी क्यों हुई थी ?	गुड़िया की जगह एक जिन्न था ।
3.	पैट्रिक में क्या बदलाव आया था ?	वह अपने काम स्वयं करने लगा था, किसी को परेशान नहीं करता था ।

कक्षा कार्य : अध्यापक इस बात से आश्वस्त होकर कि छात्र पाठ समझ गए हैं । उनसे पुस्तक में कार्य करवाएँगे ।

लिखित प्रश्नों के उत्तर, बहुविकल्पीय प्रश्नों में उचित विकल्प चिह्नित करना तथा लघु उत्तरीय प्रश्न छात्र सावधानी पूर्वक करेंगे । किसने किससे कहा पूर्वाभ्यास की सहायता से पूरा करेंगे । कल्पना के पंख के अंतर्गत प्रश्न पर कक्षा में करेंगे ।

विलोम शब्द, विशेषण शब्द बनाइए, प्रत्यय लगाकर शब्द बनाइए, बहुवचन शब्द कार्य छात्र स्वयं करेंगे । गणितीय प्रश्न को भी कक्षा में विमर्श के बाद करवाएँगे ।

अवलोकन कार्य : जिस समय कार्य हो रहा हो अध्यापक प्रत्येक छात्र के कार्य निरीक्षण करेंगे । जहाँ त्रुटियाँ होगी उसका सुधार करवाएँगे ।

गृह कार्य :

- समस्त पाठ को दोहराने के निर्देश देंगे ।
- शब्दार्थ याद करने तथा प्रश्नों के उत्तर याद करने देंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. पाठ द्वारा मेहनत करने और स्वयं कार्य करने का ज्ञान प्राप्त हुआ ।
2. व्याकरण ज्ञान का विस्तार हुआ ।
3. नैतिक ज्ञान में वृद्धि हुई ।
3. अभिव्यक्ति कौशल का विकास हुआ ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

यह भी जानिए के अंतर्गत जानकारी से छात्रों को अवगत कराएँगे । छात्रों को निबंध लेखन के मूल बिंदुओं से अवगत करवाएँगे ।

पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	4	हिंदी	कविता	1	40 मिनट

प्रकरण : फूल और काँटा

कवि : अयोध्या सिंह “हरिऔध”

सामान्य उद्देश्य

1. कविता के माध्यम से सज्जन और दुर्जन मनुष्यों के व्यवहार को छात्रों को बताना ।
2. लयात्मक तथा तुकांत शब्दावली से परिचित से साथ आनंद प्राप्त कराना ।
3. शब्द सामर्थ्य तथा भाषा ज्ञान की वृद्धि कराना ।
4. सामान्य ज्ञान का विस्तार कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना ।
प्रसिद्ध कवि की रचना से परिचित कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, उत्तर-पुस्तिका, कलम, कविता से संबंधित चार्ट ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : विद्यार्थी फूल और काँटे के स्वरूप से परिचित हैं । वे कविता का आनंद लेने में सक्षम हैं ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	बागों में क्या खिलते हैं ?	फूल
2.	फूलों के साथ क्या होते हैं ?	काँटे
3.	फूल किसका प्रतीक होते हैं ?	सज्जन, अच्छे मनुष्य का

उद्देश्य कथन : आज हम आपको “अयोध्या सिंह हरिऔध” द्वारा रचित कविता “फूल और काँटा” कविता पढ़ाएँगे । ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक पाठ का परिचय देते हुए पाठ का काव्यात्मक वाचन करेंगे । आरोह—अवरोह का पूर्ण ध्यान देंगे ।
- अनुकरण वाचन** : अध्यापक का अनुकरण करते हुए छात्र पाठ का वाचन करेंगे ।
- सस्वर वाचन** : छात्र अध्यापक के साथ कविता को दोहराएँगे । अध्यापक कठिन शब्दों का उच्चारण स्पष्टतः करवाएँगे ।
- उच्चारण संशोधन** : यदि कहीं उच्चारण दोष दृष्टिगत होता है तो उसका सुधार अध्यापक करेंगे ।
- स्पष्टीकरण** : कविता का वाचन करने के पश्चात् अध्यापक कठिन शब्दों के अर्थ स्पष्ट करेंगे । तत्पश्चात् कविता का अर्थ स्पष्ट करेंगे । कविता के मध्य आए प्रश्नों को पूछते जाएँगे । पाठ में आए कुछ तत्सम रूप, श्रुतिसमभिन्नार्थक, शब्दों के अलग—अलग अर्थ स्पष्ट करते जाएँगे ।

बोध प्रश्न :

1. फूल और काँटा पर कौन—कौन अपनी कृपा बरसाता है ?
2. भौरों का शरीर कैसा होता है ?
3. तितलियों के पर कौन काट देता है ?

- श्यामपट्ट कार्य** : अध्यापक छात्रों से शब्दार्थ पूछेंगे, तत्पश्चात् श्यामपट्ट पर उससे वर्तनी तथा शब्दार्थ लिखवाएँगे । इसी प्रकार शब्द बोलकर उसकी वर्तनी भी छात्रों से लिखवाएँगे । कुछ लघु प्रश्नों के उत्तर, कविता की एक पंक्ति बनाकर अगली पंक्ति छात्रों को बुलाकर लिखवाएँगे । शब्दों के बहुवचन रूप विभिन्न ध्वनियों के विषय में श्यामपट्ट पर समझाएँगे । फूल और काँटे के चित्र दिखाकर समझाएँगे ।

- अवलोकन कार्य** : जिस समय श्यामपट्ट पर कार्य हो रहा है । वे सभी छात्रों का सतत् अवलोकन करेंगे ।

(द्वितीय कालांश)

- प्रकरण** : “ फूल और काँटा ” का अभ्यास कार्य ।
- सामान्य उद्देश्य** : पूर्ववत्
- विशिष्ट उद्देश्य** : पूर्ववत्
- सहायक सामग्री** : पूर्ववत्
- शिक्षण विधि** : पूर्ववत्
- पूर्वज्ञान** : विद्यार्थियों को कविता के अर्थ व भाव का पूर्ण ज्ञान हो गया है । वे अभ्यास कार्य करने में समर्थ हैं ।



क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	इस कविता के रचनाकार कौन है ?	“अयोध्या सिंह हरिऔध”
2.	कौन सबकी आँखों में खटकता है ?	काँटा सबकी आँखों में खटकता है ।
3.	कविता के माध्यम से क्या संदेश मिलता है ?	हमें बुरे के साथ रहकर भी बुराई नहीं सीखनी चाहिए ।

कक्षा कार्य : अध्यापक पुस्तक में दिए अभ्यास कार्य को अपनी देखरेख में संपन्न कराएँगे ।

लिखित –

लिखित प्रश्नों के उत्तर, सही विकल्प को चिह्नित करना, सही/गलत चिह्न लगाना, रिक्त स्थानों की पूर्ति छात्र पूर्वाभ्यास के कारण स्वयं कर लेंगे । कल्पना के पंख में दिए प्रश्न को गृहकार्य में करेंगे ।

भाषा का जादू –

व्याकरण में दिए प्रश्न 1 और 3 का उत्तर छात्र लिखेंगे । प्रश्न 2, 4, 5 का उत्तर गृहकार्य में करेंगे ।

अवलोकन कार्य : कक्षा कार्य के समय अध्यापक छात्रों का सतत् निरीक्षण करेंगे । छात्रों को असुविधा होने पर उनको धैर्य पूर्वक समझाएँगे ।

गृह कार्य :

- छात्र कविता को कंठस्थ करेंगे ।
- समस्त कार्य को दोहराएँगे ।
- व्याकरण के प्रश्न 2, 4, 5 को सामान्य प्रश्नों में 1 तथा 3 को गृहकार्य में करेंगे ।
- रचनात्मक कौशल में दिए प्रश्न 1 व 2 को पूर्ण करेंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. कविता द्वारा फूल और काँटे के माध्यम से ज्ञान प्राप्त हुआ ।
2. विशेषण विशेष्य का मिलान, विभिन्न ध्वनियों का ज्ञान प्राप्त हुआ ।
3. भाषा वैविध्य ज्ञान में वृद्धि हुई ।
4. रचनात्मक कौशल का विस्तार हुआ ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

अध्यापक ये भी जानिए के अंतर्गत जानकारी से छात्रों को अवगत कराएँगे । रचनात्मक कौशल में दिए कार्य को अध्यापक भली प्रकार समझाएँगे ।



पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	4	हिंदी	गद्य	1	40 मिनट

प्रकरण : पानी और रसगुल्ले

सामान्य उद्देश्य

1. कहानी के माध्यम से पानी के महत्त्व को बताना ।
2. भाषा के विविध रूपों से परिचय कराना ।
3. व्याकरण के सामान्य नियमों से परिचित कराना ।
4. अभिव्यक्ति कौशल का विकास करना ।
5. संवाद कला का विकास करना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति छात्रों की रुचि उत्पन्न करना ।
छात्रों को बचत करना और वस्तुओं के महत्त्व को बताना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, उत्तर-पुस्तिका, कलम, पाठ से संबंधित चार्ट ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : छात्रों को पानी, बिजली के महत्त्व पहले से पता है । वे कहानी पढ़ने और समझने में सक्षम हैं ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	हमारा जीवन किसके बिना नहीं चल सकता ?	पानी, हवा, भोजन
2.	पानी की मात्रा कैसी है ?	सीमित
3.	हमें इनको कैसे बचा सकते हैं ?	बचत करके, अनुचित उपयोग ने करके

उद्देश्य कथन : आज हम आपको 'पानी की बचत' पर एक कहानी पढ़ाएँगे । जिसका शीर्षक है "पानी और रसगुल्ले" । यह कहानी हमें पानी के महत्त्व को बताती है ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक पाठ का परिचय देते हुए कहानी का वाचन करेंगे । वाचन भाव और संवाद के साथ पढ़ेंगे जिससे रोचकता बनी रहे ।
- अनुकरण वाचन** : स्वयं पढ़ने के बाद विद्यार्थियों से भी पाठ का वाचन करवाएँगे ।
- सस्वर वाचन** : कठिन शब्दों का उच्चारण विद्यार्थियों के साथ अध्यापक करेंगे ।
- उच्चारण संशोधन** : अध्यापक विद्यार्थियों के उच्चारण दोष का संशोधन कराते जाएँगे ।
- स्पष्टीकरण** : पाठ का अर्थ स्पष्ट करते हुए कठिन शब्दों की वर्तनी तथा शब्दार्थ लिखकर दिखाएँगे । पाठ के बीच में मौखिक प्रश्न भी पूछेंगे ।

बच्चे कैसे पानी की बर्बादी करते हैं और कैसे उन्हें उनका महत्त्व बताया जाए । यह इस कहानी में बताया गया है । अंत में सबको समझ में आ गया कि पानी जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और उसकी बचत करनी चाहिए ।

कहानी के अर्थ ग्रहण के पश्चात् अध्यापक कुछ शब्दों के समानार्थी तथा विलोम शब्द भी बताएँगे ।

बोध प्रश्न :

1. पाठ में किसके संरक्षण के विषय में बताया गया है ?
2. चुन्नु के भैया क्या लाए थे ?
3. चुन्नु ने क्या गलती की थी ?

श्यामपट्ट कार्य : अध्यापक शब्दों की वर्तनी छात्रों को शुद्ध करके दिखाएँगे, फिर उसका अभ्यास कराएँगे । शब्दार्थ, विलोम शब्द, रिक्त स्थानों की पूर्ति छात्रों द्वारा कराएँगे । छात्रों को विराम चिह्न की परिभाषा, उसके प्रकारों के भी विषय में समझाएँगे । प्रत्येक विद्यार्थी को श्यामपट्ट पर कार्य करने के अवसर देंगे ।

अवलोकन कार्य : जिस समय विद्यार्थी श्यामपट्ट पर कार्य करें उनका तथा अन्य विद्यार्थियों का सतत निरीक्षण करें । अशुद्धियों का संशोधन कराते जाएँगे ।

(द्वितीय कालांश)

- प्रकरण** : “पानी और रसगुल्ले” का अभ्यास कार्य ।
- सामान्य उद्देश्य** : पूर्ववत्
- विशिष्ट उद्देश्य** : पूर्ववत्
- सहायक सामग्री** : पूर्ववत्
- शिक्षण विधि** : पूर्ववत्
- पूर्व ज्ञान** : विद्यार्थियों को पाठ के अर्थ व भाव का पूर्ण ज्ञान है । वे अभ्यास कार्य करने में समर्थ हैं ।



क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	घर में पानी कहाँ से आता है ?	यमुना नदी से
2.	बिजली, पानी कौन सा धन है ?	राष्ट्रीय धन है ।
3.	राष्ट्रीय धन की बर्बादी करना क्या कहलाता है ?	राष्ट्रीय अपराध

कक्षा कार्य : अध्यापक पुस्तक में दिए अभ्यास कार्य को छात्रों द्वारा पूरा कराएँगे।

लिखित –

प्रश्नों के लिखित उत्तर, सही विकल्प को चिह्नित करना, रिक्त स्थान की पूर्ति विद्यार्थी पूर्व अभ्यास के कारण स्वयं करेंगे। स्मृति परीक्षा हेतु घटनाक्रम के अनुसार वाक्य के सामने अंक लिखेंगे। कल्पना के पंख के अंतर्गत दिए प्रश्न की चर्चा अध्यापक कक्षा में करेंगे।

भाषा का जादू –

भाषा का जादू के अंतर्गत दिए प्रश्न पर भी अध्यापक मौखिक विमर्श करें तब हल कराएँगे। अन्य प्रश्न छात्र स्वयं हल करेंगे। तार्किक प्रश्न हल करने पूर्व कुछ उदाहरण अध्यापक देंगे।

अवलोकन कार्य : कक्षा कार्य के समय अध्यापक सतत् निरीक्षण करें।

अशुद्धि संशोधन : अशुद्धियों का संशोधन साथ-साथ कराते जाएँगे।

गृह कार्य :

- समस्त पाठ को दोहराने का निर्देश देंगे।
- रचनात्मक कौशल के अंतर्गत दी कहानी को पूरा करने का निर्देश देंगे।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. राष्ट्रीय धन (पानी) की बचत करना सीखा।
2. हिंदी के भाषा ज्ञान का विस्तार हुआ।
3. विराम चिह्नों का प्रयोग सीखा।
4. अभिव्यक्ति कौशल को विस्तार मिला।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

अध्यापक यह भी जानिए के अंतर्गत जानकारी से छात्रों को अवगत कराएँगे।

रचनात्मक कौशल में छात्र “बिजली बचाओ” और “पानी बचाओ” के पोस्टर बनायेंगे।

पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	4	हिंदी	गद्य	1	40 मिनट

प्रकरण : एक पत्र

सामान्य उद्देश्य

1. छात्रों को पत्र विधा के विषय में बताना ।
2. पत्र लिखने के तरीके को समझाना ।
3. भाषा के विविध रूपों का परिचय कराना ।
4. व्याकरण के नियमों से परिचय कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : पत्र और हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, उत्तर-पुस्तिका, कलम, पाठ से संबंधित ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : छात्र पाठ को पढ़ने और समझने योग्य हैं । वे पत्र के विषय में पहले से जानते हैं ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	लोग संदेश देने के लिए किसका प्रयोग करते थे ?	कबूतर, आदमी
2.	संदेश का माध्यम क्या था ?	पत्तों पर लिखना
3.	समय बदलने पर संदेश देने का माध्यम क्या बना ?	पत्र

उद्देश्य कथन : आज हम आपको पत्र विधा के विषय में बताएँगे और एक पत्र नामक पाठ पढ़ाएँगे ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : चार्ट में पत्र का नमूना दिखाते हुए पाठ का वाचन करेंगे ।
- अनुकरण वाचन** : छात्र अध्यापक का अनुकरण करते हुए एक-एक गद्यांश क्रमशः पढ़ेंगे ।
- सस्वर वाचन** : सभी छात्र पाठ को सस्वर पढ़ेंगे ।
- उच्चारण संशोधन** : यदि कहीं उच्चारण की अशुद्धि परिलक्षित हुई तो अध्यापक अशुद्धि का सुधार करेंगे ।
- स्पष्टीकरण** : पाठ के वाचन के उपरान्त अध्यापक पाठ का अर्थ स्पष्ट करेंगे । पत्र कैसे लिखा जाता है । पत्र में कौन-कौन सी बातें लिखी जाती हैं । पत्र के माध्यम से अपनी बातें कैसे बताई जाती है । यह स्पष्ट करेंगे । पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ भी स्पष्ट करते जाएँगे । शब्दों के समानार्थी, विलोम शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द स्पष्ट करेंगे ।

बोध प्रश्न :

1. पत्र कितने प्रकार के होते हैं ?
2. वृंदा के विद्यालय में क्या-क्या मुख्य बातें हुई ?
3. गाँव में क्या-क्या बदलाव आए हैं ? जिसे वृंदा ने बुआ को बताया ?

श्यामपट्ट कार्य : अध्यापक छात्रों के अधिगम की परीक्षा भी श्यामपट्ट पर कार्य करवा कर करेंगे । अध्यापक छात्रों में से कुछ को बुलाकर शब्दों की वर्तनी लिखवाएँगे । शब्दों के अर्थ भी लिखवाएँगे । रिक्त स्थान भरो, लघु प्रश्नों के उत्तर, विलोम शब्द, वचन व लिंग का अभ्यास करवाएँगे । चार्ट में पत्रों के रूप दिखाकर उनके नाम पूछेंगे । उनके नाम श्यामपट्ट पर लिखवाएँगे ।

अवलोकन कार्य : जब छात्र श्यामपट्ट पर कार्य कर रहे होंगे, अध्यापक अन्य छात्रों का निरीक्षण भी करते रहेंगे । यदि किसी छात्र को समझने में कोई असुविधा होगी तो धैर्यपूर्वक समझाएँगे ।

(द्वितीय कालांश)

- प्रकरण** : पाठ 'एक पत्र' का अभ्यास कार्य ।
- सामान्य उद्देश्य** : पूर्ववत्
- विशिष्ट उद्देश्य** : पूर्ववत्
- सहायक सामग्री** : पूर्ववत्
- शिक्षण विधि** : पूर्ववत्

पूर्वज्ञान : छात्रों को पाठ का पूर्ण ज्ञान हो चुका है । वे अभ्यास कार्य पूर्ण करने में समर्थ हैं ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	वृंदा ने किसे पत्र लिखा था ?	अपनी बुआ को कहानियों की किताब भेजी थी ।
2.	वृंदा ने सुरभि के विषय में क्या बताया था ?	बड़ी हो गई, सुंदर हो गई । वह गाय है । चारा खिलाती है उसे ।
3.	वृंदा की माँ ने किस-किसके अचार डाले थे ?	आम के, करौंदे के

कक्षा कार्य : लिखित –

अध्यापक पुस्तक में दिए लिखित प्रश्नों को विद्यार्थियों से धैर्यपूर्वक हल करवाएँगे । जिसमें प्रश्नों के उत्तर, बहुविकल्पीय प्रश्नों के हल, किसने किससे कहा, पत्रों के नाम लिखवाएँगे ।

भाषा का जादू –

भाषा का जादू के अंतर्गत 'कि' या 'की' का सही प्रयोग, बहुवचन, विशेषण शब्दों के वाक्य प्रयोग के कार्य करवाएँगे । कल्पना के पंख के अंतर्गत प्रश्न को छात्र गृहकार्य में हल करवाएँगे ।

अवलोकन कार्य : कार्यरत छात्रों का बराबर अध्यापक निरीक्षण करते रहेंगे । किंतु कार्य उन्हें स्वयं करने की प्रेरणा देंगे ।

गृह कार्य :

- छात्र समस्त पाठ को दोहराएँगे ।
- शब्दार्थ, व्याकरण, संबंधी प्रश्नों के उत्तर याद करेंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. पाठ द्वारा पत्र लिखना सीखा गया ।
2. भाषा ज्ञान को विस्तार मिला ।
3. व्याकरण के नियमों का पुनः अभ्यास हुआ ।
4. पर्यावरण की शुद्धता के प्रति जागरूकता बढ़ी ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

पत्र से जुड़ी बातें छात्रों को बताएँगे । रचनात्मक कौशल के अंतर्गत गाँव से संबंधित चित्रों के नाम लिखवाएँगे । पत्रों के प्रारूप के चित्र छात्रों से बनवाएँगे ।

पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	4	हिंदी	कविता	1	40 मिनट

प्रकरण : बिना कहे ही

कवि : द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी

सामान्य उद्देश्य

1. कविता के माध्यम से यह बताना कि प्रकृति हमें बिना माँगे ही सब कुछ देती है ।
2. लयात्मक तथा तुकांत शब्दावली से परिचित कराना ।
3. शब्द सामर्थ तथा भाषा ज्ञान की वृद्धि कराना ।
4. सामान्य ज्ञान का विस्तार कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना ।
प्रसिद्ध कवि की रचना से परिचित कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, कविता से संबंधित चार्ट, उत्तर-पुस्तिका, कलम ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : विद्यार्थी प्रकृति के परोपकार से पूर्व परिचित हैं ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	हमें प्रकृति क्या-क्या देती है ?	हवा, पानी, धूप आदि ।
2.	सूर्य, बादल, पेड़-पौधे हमें क्या-क्या देते हैं ?	रोशनी, वर्षा, शुद्ध हवा
3.	प्रकृति हमें यह सब कैसे देती है ?	बिना माँगे या बिना कहे ही

उद्देश्य कथन : आज हम आपको एक बहुत बड़े कवि की एक कविता “बिना कहे ही” पढ़ाएँगे । जिसमें यह बताया गया है कि प्रकृति बिना कहे ही हमें सब कुछ देती है ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक पाठ का परिचय देते हुए कविता का काव्यात्मक वाचन करेंगे । आरोह-अवरोह पर पूर्ण ध्यान देंगे ।
- अनुकरण वाचन** : अध्यापक का अनुकरण करते हुए छात्र कविता का वाचन करेंगे ।
- सस्वर वाचन** : छात्र अध्यापक के साथ कविता को दोहराएँगे । अध्यापक कठिन शब्दों का उच्चारण स्पष्ट करवाएँगे ।
- उच्चारण संशोधन** : उच्चारण की शुद्धता को ध्यान में रखते हुए अध्यापक यदि कहीं दोष हुआ तो उसमें संशोधन करेंगे ।
- स्पष्टीकरण** : कविता पाठ के उपरान्त अध्यापक कविता के अर्थ को स्पष्ट करेंगे । वे बताएँगे कि प्रकृति की सभी वस्तुएँ हमें बिना कहे या माँगे सब कुछ जैसे—रोशनी, हवा, पानी फल, फूल, चाँदनी आदि देती है । हमें भी निःस्वार्थ भाव से परोपकार करना चाहिए ।
- अध्यापक कठिन शब्दों की वर्तनी लिखकर दिखाएँगे । शब्दों के अर्थ, शब्दों के समानार्थी, वर्ण-विच्छेद, क्रिया के शब्दों को भी स्पष्ट करेंगे । बीच में मौखिक प्रश्नों को पूछकर छात्रों की अधिगम परीक्षा भी करते जाएँगे ।

बोध प्रश्न :

1. सूरज, चंद्रमा, आसमान हमें क्या देते हैं ?
2. हमें भी बिना कहे क्या करना चाहिए ?
3. कैसे लोगों का संसार में गुणगान होता है ?

- श्यामपट्ट कार्य** : अध्यापक पाठ का अर्थ और भाव अच्छी तरह स्पष्ट करने के बाद वर्तनी, शब्दार्थ, लघु प्रश्न, पंक्ति पूरा करना, सही/गलत के चिह्न लगाने का अभ्यास छात्रों द्वारा करवाएँगे । भाषा व व्याकरण के समानार्थी शब्द, विलोम शब्द, वर्ण-विच्छेद, क्रिया को स्पष्ट करते हुए छात्रों से श्यामपट्ट पर कार्य करवाएँगे । कल्पना के पंख में दिए प्रश्न पर चर्चा भी करेंगे ।

- अवलोकन कार्य** : जिस समय छात्र कार्य कर रहे होंगे, अध्यापक सतत् निरीक्षण करेंगे ।

(द्वितीय कालांश)

- प्रकरण** : “बिना कहे ही” का अभ्यास कार्य ।
- सामान्य उद्देश्य** : पूर्ववत्

विशिष्ट उद्देश्य : पूर्ववत्
 सहायक सामग्री : पूर्ववत्
 शिक्षण विधि : पूर्ववत्
 पूर्वज्ञान : छात्रों को कविता का पूर्ण ज्ञान हो गया है । वे अभ्यास कार्य करने में सक्षम हैं ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	इस कविता के कवि कौन है ?	द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी
2.	पेड़-पौधे और धरती हमें क्या-क्या देती है ?	फल-फूल, छाया, माया
3.	आपको कविता द्वारा हमें क्या संदेश मिलता है ?	निःस्वार्थ भाव से परोपकार करने का संदेश

कक्षा कार्य : अध्यापक छात्रों द्वारा भली प्रकार समझने पर पुस्तक में दिए अभ्यास कार्य पूर्ण करेंगे ।

लिखित – लिखित कार्य में प्रश्नों के उत्तर, बहुविकल्पीय प्रश्न, रिक्त स्थान पूर्ति, कविता की पंक्ति पूरी करना कार्य पूरा करेंगे । कल्पना के पंख में दिए प्रश्न को पूर्व चर्चा के आधार पर पूरा करेंगे ।

भाषा का जादू – तुकांत शब्द, पर्यायवाची शब्द, वर्ण-विच्छेद, वाक्यांश के लिए एक शब्द, विलोम शब्द कार्य अध्यापक अपने निर्देशन में पूरा कराएँगे । गणितीय प्रश्न का हल अध्यापक चर्चा करके छात्रों से हल कराएँगे ।

गृह कार्य :

- छात्र कविता को कंठस्थ करेंगे । समस्त कार्य को दोहराएँगे ।
- प्रकृति की वस्तुओं के चित्र बनाकर उसके नाम छात्र लिखकर लाएँगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. पाठ के द्वारा कविता का आनंद लिया ।
2. निःस्वार्थ परोपकार के महत्त्व को समझा गया ।
3. व्याकरण के नियमों का पुनर्अभ्यास किया ।
4. सामान्य ज्ञान में वृद्धि हुई ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

अध्यापक यह भी जानिए के अंतर्गत दी जानकारी से छात्रों को भी अवगत कराएँगे ।

रचनात्मक कौशल में दिए प्रश्नों पर छात्रों को अपने आप को अभिव्यक्ति करने का अवसर देंगे ।



पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	4	हिंदी	आत्मकथा	1	40 मिनट

प्रकरण : मैं हवा हूँ

सामान्य उद्देश्य

1. छात्रों को हवा के महत्त्व को बताना ।
2. आत्मकथा विधा से परिचित कराना ।
3. भाषा के विविध रूपों का परिचित कराना ।
4. व्याकरण के नियमों से परिचय कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : आत्मकथा और हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न करना ।

हवा के महत्त्व के प्रति सजगता उत्पन्न करना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, पाठ से संबंधित चार्ट, उत्तर-पुस्तिका, कलम ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : छात्र पाठ को पढ़ने और समझने योग्य हैं । वे आत्मकथा के विषय में पहले से जानते हैं ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	सभी जीवों के लिए क्या-क्या आवश्यक है ?	भोजन, पानी, हवा
2.	यह सब हमें कौन देता है ?	प्रकृति/ईश्वर
3.	किसके बिना एक पल जीवित रहना मुश्किल है ?	हवा के बिना

उद्देश्य कथन : बिल्कुल सही ! आज हम आपको हवा के विषय में आत्मकथा के रूप में बताएँगे । “मैं हवा हूँ” नामक पाठ पढ़ाएँगे ।



पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : पाठ से संबंधित चार्ट दिखाते हुए पाठ आरंभ करेंगे । वे पाठ का वाचन करते हुए कठिन शब्दों का उच्चारण व अर्थ भी स्पष्ट करते जाएँगे ।
- अनुकरण वाचन** : अध्यापक के वाचन का अनुकरण करते हुए छात्र भी पाठ का वाचन करेंगे ।
- सस्वर वाचन** : अध्यापक कठिन शब्दों व उनके अर्थ को भी छात्रों को बताएँगे ।
- उच्चारण संशोधन** : छात्रों के उच्चारण में कहीं अशुद्धि हुई तो अध्यापक सुधार कराएँगे ।
- स्पष्टीकरण** : पाठ के कठिन शब्दों के अर्थ श्यामपट्ट पर लिखकर छात्रों को समझाएँगे । पाठ का अर्थ ग्रहण करते हुए बीच में मौखिक प्रश्नों को भी पूछते जाएँगे । चार्ट दिखाकर अध्यापक हवा के महत्त्व को समझाएँगे । हवा का कहाँ-कहाँ उपयोग होता है । यह बताएँगे ।
- कहानी के अर्थ ग्रहण के पश्चात् अध्यापक कुछ शब्दों के समानार्थी तथा विलोम शब्द भी बताएँगे ।

बोध प्रश्न :

1. हवा न चलने पर क्या होगा ?
2. हवा का प्रयोग कहाँ-कहाँ होता है ?
3. हवा कैसे प्रदूषित होती है ?

श्यामपट्ट कार्य : अध्यापक छात्रों द्वारा शब्दों की वर्तनी शुद्ध करवाएँगे । लघु प्रश्नोत्तर, रिक्त स्थान पूर्ति तथा सही/गलत के निशान श्यामपट्ट पर करवाएँगे । शब्दों को जोड़कर नवीन शब्द बनाना तथा तत्सम् रूप, शब्दों के बहुवचन रूप श्यामपट्ट पर लिखवाएँगे । सभी छात्रों को क्रमानुसार बुलाकर श्यामपट्ट पर कार्य करने का अवसर दें ।

अवलोकन कार्य : जिस समय छात्र काम करें अध्यापक अन्य छात्रों की संलग्नता की भी जाँच करते रहेंगे ।

(द्वितीय कालांश)

- प्रकरण** : “मैं हवा हूँ” का अभ्यास कार्य
- सामान्य उद्देश्य** : पूर्ववत्
- विशिष्ट उद्देश्य** : पूर्ववत्
- सहायक सामग्री** : पूर्ववत्
- शिक्षण विधि** : पूर्ववत्

पूर्वज्ञान : विद्यार्थियों को पाठ का पूर्ण ज्ञान हो गया है । वे अभ्यास कार्य करने में समर्थ हैं ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	आत्मकथा में किसके विषय में बताया गया है ?	हवा के विषय में
2.	खेल और संगीत में हवा क्या योगदान देती है ?	गेंद, फुटबॉल, बॉलीबाल हवा से भरी जाती है । संगीत में बाँसुरी और अन्य वाद्य बजते हैं ।
3.	हवा को कैसे शुद्ध रखा जा सकता है ?	धुँआ न करके, कूड़ा न जलाकर, गाड़ियों का कम प्रयोग करके, अधिक से अधिक पेड़ लगाकर ।

कक्षा कार्य : अध्यापक पुस्तक में दिए अभ्यास कार्य को छात्रों द्वारा पूरा कराएँगे ।

लिखित प्रश्न – लिखित प्रश्नों के उत्तर, बहुविकल्पीय प्रश्न, सही/गलत के चिह्न तथा घटनाक्रम अंक लिखने का कार्य, चित्रों को देखकर नाम लिखना, छात्र अध्यापक के निर्देशन में पूरा करेंगे । कल्पना के पंख में दिए प्रश्न पर अध्यापक पहले जानकारी उपलब्ध कराएँगे ।

भाषा का जादू – समानार्थी शब्द, शब्दों के शुद्ध रूप, विलोम शब्द, एकवचन शब्द, स्वास्थ्य परक प्रश्न छात्र पूर्वाभ्यास से पूर्ण करेंगे ।

अवलोकन कार्य : जिस समय कार्य हो रहा है, अध्यापक सभी छात्रों के काम और उसकी गति व सुलेख का निरीक्षण करेंगे । अशुद्धियों का सुधार भी साथ-साथ करवाएँगे ।

गृह कार्य :

- समस्त पाठ को याद करेंगे ।
- रचनात्मक कौशल में दिए कार्य को पूरा करने का निर्देश देंगे ।
- सम्पूर्ण पाठ को दोहराने, शब्दार्थ याद करने का निर्देश भी देंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. पाठ के माध्यम से एक उपयोगी बात की जानकारी मिली ।
2. हवा के महत्त्व और उपयोगिता पता चली ।
3. रचनात्मक कौशल में वृद्धि हुई ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

यह भी जानिए के अंतर्गत दी जानकारी छात्रों को अध्यापक देंगे ।
रचनात्मक कौशल के प्रश्नों को कक्षा में हल करवाएँगे ।



पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	4	हिंदी	गद्य	1	40 मिनट

प्रकरण : साहसी कछुआ

सामान्य उद्देश्य

1. छात्रों को साहसी और हिम्मती होने की प्रेरणा देना ।
2. साहस से कोई भी काम हो सकता है, यह बताना ।
3. भाषा के विविध रूपों का परिचय कराना ।
4. व्याकरण के नियमों से परिचय कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, पाठ से संबंधित चार्ट, कलम, उत्तर-पुस्तिका, ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : छात्र पाठ को पढ़ने समझने योग्य हैं । वे साहस का महत्त्व जानते हैं ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	हमारे देश में कितने समुद्र हैं ? कुछ के नाम बताए ।	हिंद महासागर, प्रशांत महानगर
2.	समुद्र में कौन-कौन से जीव रहते हैं ?	मछली, ऑक्टोपस, सर्प, कछुआ आदि ।
3.	सबसे ज्यादा आयु और सबसे धीमे चलने वाला जीव कौन सा है ?	कछुआ

उद्देश्य कथन : आज हम आपको एक “साहसी कछुआ” की कहानी पढ़ाएँगे ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : पाठ से संबंधित चार्ट दिखाते हुए पाठ आरंभ करेंगे । पाठ का वाचन करते हुए कठिन शब्दों का उच्चारण व अर्थ स्पष्ट करते जाएँगे ।
- अनुकरण वाचन** : अध्यापक का अनुकरण करते हुए पाठ का वाचन पढ़ेंगे ।
- सस्वर वाचन** : छात्र अध्यापक के साथ पाठ को दोहराएँगे ।
- उच्चारण संशोधन** : अध्यापक उच्चारण की अशुद्धि का संशोधन करेंगे । छात्रों को सही उच्चारण से अवगत कराएँगे ।
- स्पष्टीकरण** : पाठ समझने के पश्चात् अध्यापक पाठ का अर्थ समझाएँगे । विभिन्न चित्र पाठ से संबंधित दिखाएँगे ।

कठिन शब्दों की वर्तनी को लिखकर दिखाएँगे तथा शब्दार्थों से भी विद्यार्थियों को अवगत कराएँगे । अधिगम की परीक्षा हेतु बीच-बीच में प्रश्न भी पूछते जाएँगे । विद्यार्थियों को अभिव्यक्त करने का अवसर भी देंगे ।

बोध प्रश्न :

1. चुनमुन कहाँ से और कैसे निकला ?
2. टॉप्सी कहाँ रहती थी ?
3. बालू की ढेरी में क्या था ?

श्यामपट्ट कार्य : अध्यापक छात्रों द्वारा शब्दों की वर्तनी शुद्ध करवाएँगे । लघु प्रश्नोत्तर, रिक्त स्थान पूर्ति, सही/गलत के निशान श्यामपट्ट पर करवाएँगे । शब्दों को जोड़कर नवीन शब्द बनाना, तत्सम् रूप शब्दों के बहुवचन रूप श्यामपट्ट पर लिखवाएँगे । सभी छात्रों को क्रमानुसार बुलाकर श्यामपट्ट पर कार्य करने का अवसर देंगे ।

अवलोकन कार्य : जिस समय छात्र काम करें अध्यापक अन्य छात्रों की संलग्नता की भी जाँच करते रहेंगे ।

(द्वितीय कालांश)

- प्रकरण** : 'साहसी कछुआ' का अभ्यास कार्य
- सामान्य उद्देश्य** : पूर्ववत्
- विशिष्ट उद्देश्य** : पूर्ववत्
- सहायक सामग्री** : पूर्ववत्
- शिक्षण विधि** : पूर्ववत्

पूर्वज्ञान : विद्यार्थियों को पाठ का पूर्व ज्ञान हो गया है । वे अभ्यास कार्य करने में समर्थ हैं ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	साहसी (चुनमुन) कछुआ के विषय में बताइए ।	चुनमुन बहुत साहसी था । वह अपने भाई-बहन का बहुत ध्यान रखता है ।
2.	टॉप्सी कौन थी और कहाँ रहती थी ?	टॉप्सी समुद्री कछुआ थी । वह समुद्र में रहती थी ।
3.	चुनमुन ने किसे सावधान किया था ?	अपने भाई-बहनों को

कक्षा कार्य : अध्यापक पुस्तक में दिए अभ्यास कार्य को छात्रों द्वारा पूर्ण कराएँगे ।

लिखित – लिखित प्रश्नों के उत्तर, बहुविकल्पीय प्रश्न, सही/गलत के चिह्न तथा घटनाक्रम अंक लिखने का कार्य, चित्र देखकर नाम लिखना, छात्र अध्यापक के निर्देशन में पूरा करेंगे ।

भाषा का जादू – नवीन शब्द रचना, बहुवचन शब्द बनाना, जोड़े बनाना, विशेषण शब्द बनाना, गणितीय प्रश्न छात्र पूर्वाभ्यास से पूर्ण करेंगे । रचनात्मक कौशल के अंतर्गत दिए प्रश्नों को गृहकार्य में हल करेंगे ।

अवलोकन कार्य : जिस समय कक्षा कार्य हो रहा है अध्यापक सभी छात्रों के काम और उसकी गति व सुलेख का निरीक्षण करते रहेंगे । अशुद्धियों का सुधार भी साथ-साथ करवाएँगे ।

गृह कार्य :

- समस्त पाठ को याद करेंगे ।
- रचनात्मक कौशल में दिए कार्य को पूरा करेंगे ।
- सम्पूर्ण पाठ को दोहराने शब्दार्थ याद करने का निर्देश भी देंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. पाठ के माध्यम से एक जीव के विषय में जानकारी मिली ।
2. एकता और साहस के महत्त्व को सीखा ।
3. रचनात्मक कौशल में वृद्धि हुई ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

यह भी जानिए के अंतर्गत दी जानकारी छात्रों को देंगे ।

पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	4	हिंदी	गद्य	1	40 मिनट

प्रकरण : अड़ियल गाय (चित्रकथा)

सामान्य उद्देश्य

1. पाठ के माध्यम से चित्रकथा विधा से परिचित कराना ।
2. पाठ के माध्यम से "बुद्धि ही बल है" यह बताना ।
3. साहित्य और व्याकरण के सामान्य नियमों से परिचित कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न कराना ।
चित्रकथा के माध्यम से आनंद प्राप्त करना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, पाठ से संबंधित चित्र, उत्तर-पुस्तिका, कलम, ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : छात्र बुद्धि की ताकत और महत्त्व से पहले से परिचित है ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	हम कोई भी काम किसकी सहायता से करते हैं ?	दिमाग, बुद्धि
2.	हम कोई भी समस्या का हल किसके द्वारा निकालते हैं ?	बुद्धि के द्वारा
3.	शरीर की ताकत ज्यादा होती है या बुद्धि की ताकत ?	बुद्धि की ताकत

उद्देश्य कथन : बिल्कुल सही ! आज हम आपको बुद्धि के बल के महत्त्व पर आधारित कहानी पढ़ाएँगे । कहानी का नाम है – अड़ियल गाय ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : पाठ से संबंधित चार्ट दिखाते हुए पाठ आरंभ करेंगे । वे पाठ का वाचन करते हुए कठिन शब्दों का उच्चारण व अर्थ भी स्पष्ट करते जाएँगे ।
- अनुकरण वाचन** : अध्यापक के वाचन का अनुकरण करते हुए भी पाठ का वाचन करेंगे ।
- सस्वर वाचन** : अध्यापक कठिन शब्दों व उनके अर्थ को भी छात्रों को बताएँगे ।
- उच्चारण संशोधन** : छात्रों के उच्चारण में कहीं अशुद्धि हुई तो अध्यापक सुधार करवाएँगे ।
- स्पष्टीकरण** : पाठ के कठिन शब्दों के अर्थ श्यामपट्ट पर लिखकर छात्रों को समझाएँगे । पाठ का अर्थ ग्रहण करते हुए बीच में मौखिक प्रश्नों को भी पूछते जाएँगे । चार्ट दिखाकर अध्यापक बुद्धि की ताकत को समझाएँगे । बुद्धि के बल से हम बड़ी से बड़ी समस्या का हल निकाल सकते हैं, यह छात्रों को बताएँगे । कहानी के अर्थ ग्रहण के पश्चात् अध्यापक कुछ शब्दों के समानार्थी तथा विलोम शब्द भी बताएँगे ।

बोध प्रश्न :

1. किसका मिजाज खराब था और वह कहाँ बैठा था ?
2. उसको उठाने के लिए किस-किस ने प्रयास किया ?
3. अंत में गाय कैसे उठी ?

- श्यामपट्ट कार्य** : अध्यापक छात्रों द्वारा शब्दों की वर्तनी शुद्ध करवाएँगे । लघु प्रश्नोत्तर, रिक्त स्थान की पूर्ति, किसने किससे कहा, कार्य श्यामपट्ट पर करवाएँगे । एकवचन को बहुवचन शब्द से मिलाना, का, की, के से वाक्य पूरे करवाना, मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाना आदि कार्य श्यामपट्ट पर करवाएँगे । सभी छात्रों को क्रमानुसार बुलाकर श्यामपट्ट पर कार्य करवाएँगे ।

- अवलोकन कार्य** : जिय समय छात्र काम करेंगे, अध्यापक अन्य छात्रों की संलग्नता की भी जाँच करेंगे ।

(द्वितीय कालांश)

- प्रकरण** : 'अड़ियल गाय' का अभ्यास कार्य
- सामान्य उद्देश्य** : पूर्ववत्
- विशिष्ट उद्देश्य** : पूर्ववत्
- सहायक सामग्री** : पूर्ववत्
- शिक्षण विधि** : पूर्ववत्

पूर्वज्ञान : विद्यार्थियों को पाठ का पूर्ण ज्ञान हो गया है । वे अभ्यास कार्य करने में पूर्ण समर्थ हैं ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	चित्रकथा से आप क्या समझते हैं ?	चित्र के माध्यम से कहानी बताना
2.	बुद्धि के बल से हम क्या कर सकते हैं ?	किसी भी समस्या का हल निकाल सकते हैं ।
3.	छोटे बच्चे ने किस प्रकार गाय को उठाया ?	बुद्धिमाननी और सूझबूझ से

कक्षा कार्य : अध्यापक पुस्तक में दिए अभ्यास कार्य को छात्रों द्वारा पूरा कराएँगे । ।

लिखित –

लिखित प्रश्नों के उत्तर, बहुविकल्पीय प्रश्न, सही/गलत के निशान, चित्र देखकर नाम लिखना आदि कार्य छात्र अध्यापक के निर्देशन में करेंगे । कल्पना के पंख में दिए प्रश्न पर अध्यापक पहले जानकारी उपलब्ध कराएँगे ।

भाषा का जादू –

एकवचन, बहुवचन, विलोम शब्द, संज्ञा, सर्वनाम छँटकर लिखना, मुहावरे, गणितीय प्रश्न चर्चा करके पूर्ण करेंगे ।

अवलोकन कार्य : जिस समय कार्य हो रहा है, अध्यापक सभी छात्रों के काम और उसकी गति व सुलेख का निरीक्षण करेंगे । अशुद्धियों का सुधार भी साथ-साथ करवाएँगे ।

गृह कार्य :

- समस्त पाठ को याद करेंगे ।
- रचनात्मक कौशल में दिए कार्य को पूरा करने का निर्देश देंगे ।
- सम्पूर्ण पाठ को दोहराने, शब्दार्थ याद करने का निर्देश भी देंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. पाठ के माध्यम से बुद्धि की ताकत की जानकारी प्राप्त हुई ।
2. चित्रकथा विधा से परिचित हुए ।
3. रचनात्मक कौशल के प्रश्नों को कक्षा में हल करवाएँगे ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

यह भी जानिए के अंतर्गत दी जानकारी अध्यापक छात्रों को देंगे ।

रचनात्मक कौशल के प्रश्नों को कक्षा में हल करवाएँगे ।



पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	4	हिंदी	गद्य	1	40 मिनट

प्रकरण : अभागा तोता

सामान्य उद्देश्य

1. छात्रों को स्वतंत्रता का महत्त्व बताना । यह बताना गुलामी नरक के समान है ।
2. मनुष्य और पशु-पक्षी के लिए भी गुलामी नरक समान होती है ।
3. भावागत ज्ञान का विकास करना ।
4. सामान्य तथा गणितीय कौशल में वृद्धि कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : हिंदी भाषा के प्रति छात्रों में रुचि उत्पन्न करना ।

सहृदयता और संवेदनशीलता का संचार कराना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, उत्तर-पुस्तिका, कलम, पाठ से संबंधित चार्ट ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : छात्रों को स्वतंत्रता और गुलामी के विषय में पहले से कुछ ज्ञान है ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	सभी जीव जन्तु कैसा जीवन जीना पसंद करते हैं ?	स्वतंत्र, स्वच्छंद
2.	सभी को कैसा जीवन पसंद नहीं होता ?	गुलामी का
3.	जो गुलामी का जीवन जीते हैं उन्हें क्या कहा जाता है ?	अभागा/बेचारा

उद्देश्य कथन : आज हम आपको एक कहानी पढ़ाएँगे जिसमें गुलामी नरक समान होती है, यह बताया गया है । नाम है –“अभागा तोता”

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : अध्यापक पाठ का परिचय और उद्देश्य स्पष्ट करते हुए पाठ का वाचन करेंगे ।
- अनुकरण वाचन** : छात्र अध्यापक का अनुकरण करते हुए पाठ का वाचन करेंगे ।
- सस्वर वाचन** : अध्यापक के साथ पुनः पाठ को दोहराएँगे । अध्यापक कठिन शब्दों का उच्चारण पुनः कराएँगे ।
- उच्चारण संशोधन** : उच्चारण का कहीं दोष हुआ तो उसका सुधार भी करेंगे ।
- स्पष्टीकरण** : पाठ के वाचन के पश्चात् अध्यापक पाठ का अर्थ, भाव स्पष्ट करेंगे । कठिन शब्दों की वर्तनी लिखकर दिखाएँगे तथा शब्दों के अर्थ भी बताते जाएँगे ।

पाठ के बीच में आए प्रश्नों को पूछकर छात्रों के अधिगम व संलग्नता की परीक्षा भी करते जाएँगे । अभागा तोता में दो ऐसे तोतों की कहानी बताई गई है जिनमें एक स्वतंत्र जीवन जीता है और दूसरा पालतू रहकर गुलामी का जीवन जीता है ।

बोध प्रश्न :

1. जंगली तोता कहाँ रहता था ?
2. पिंजरे के तोते ने अपने मालिक के विषय में क्या बताया ?
3. पंडित तिवारी ने अपने बेटे से अंत में क्या कहा ?

श्यामपट्ट कार्य : अध्यापक पाठ से संबंधित लघु प्रश्नोत्तर, सही/गलत के चिह्न श्यामपट्ट पर छात्रों को बुलाकर हल करवाएँगे । कहानी को घटनाक्रमानुसार अंक देना, रिक्त स्थान, वाक्य प्रयोग आदि भी विद्यार्थियों से करवाएँगे । व्याकरण के अभ्यास हेतु विलोम शब्द, सार्वनामिक विशेषण, पर्यायवाची शब्द, उपसर्ग-प्रत्यय पूर्ण कराएँगे । कल्पना के पंख एवं गणितीय प्रश्न का उत्तर विद्यार्थी अपने विवेक से हल करेंगे ।

अवलोकन कार्य : अध्यापक श्यामपट्ट कार्य के समय सभी छात्रों का निरीक्षण करेंगे । श्यामपट्ट पर कार्य करने के लिए सभी छात्रों को अवसर देंगे । त्रुटियों का संशोधन साथ-साथ करवाते जाएँगे ।

(द्वितीय कालांश)

- प्रकरण** : “अभागा तोता” के अभ्यास कार्य
- सामान्य उद्देश्य** : पूर्ववत्



विशिष्ट उद्देश्य : पूर्ववत्
 सहायक सामग्री : पूर्ववत्
 शिक्षण विधि : पूर्ववत्
 पूर्वज्ञान : विद्यार्थियों को पाठ का पूर्ण ज्ञान हो गया है । वे अभ्यास कार्य करने में पूर्ण समर्थ हैं ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	गुलाम का जीवन कैसा होता है ?	नरक समान, दासता के अभिशाप के समान
2.	पिंजरा का तोता और जंगली तोता का जीवन कैसा था ?	गुलामी का स्वतंत्र जीवन
3.	पिंजरे के तोते की मृत्यु क्यों हुई ?	उसने मालिक की बात नहीं मानी ।

कक्षा कार्य : अध्यापक पाठ को पूर्ण रूप से समझने के बाद छात्रों से अभ्यास कार्य में दिए प्रश्न पूरे कराएँगे ।

लिखित – लिखित प्रश्नों के उत्तर, लघु प्रश्नोत्तर, सही मिलान, रिक्त स्थान की पूर्ति छात्र पूरा करेंगे ।

भाषा का जादू – विलोम शब्द, सार्वनामिक विशेषण, समानार्थी शब्द, उपसर्ग, प्रत्यय शब्द अध्यापक द्वारा कराए पूर्वाभ्यास के कारण विद्यार्थी स्वयं करेंगे ।

अवलोकन कार्य : अध्यापक कक्षा कार्य अपने निर्देशन में पूरा करवाएँगे । किसी छात्र को असुविधा होगी तो उसे धैर्यपूर्वक समझाएँगे ।

गृह कार्य :

- समस्त पाठ को दोहराएँगे ।
- शब्दार्थ वर्तनी का अभ्यास करेंगे ।
- पराधीनता पर आधारित एक कहानी लिखेंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. कहानी के द्वारा पराधीनता और स्वतंत्रता में अंतर समझना ।
2. भाषा और शब्द ज्ञान की वृद्धि हुई ।
3. नवीन जानकारी का संवर्धन हुआ ।
4. रचनात्मक कौशल में वृद्धि हुई ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

यह भी जानिए के अंतर्गत दी जानकारी से छात्रों को रचनात्मक कौशल में दिए कार्य को छात्र गृहकार्य में करेंगे ।



पाठ-योजना

दिनांक	कक्षा	विषय	उपविषय	चक्र	अवधि
	4	हिंदी	गद्य	1	40 मिनट

प्रकरण : भिखारी और रोटी

लेखक : मैक्सिम गोर्की

सामान्य उद्देश्य

1. छात्रों को विदेशी कहानी के विषय में बताना ।
2. विदेशी कहानी से परिचित कराना ।
3. भाषा के विविध रूपों से परिचय कराना ।
4. व्याकरण के नियमों से परिचित कराना ।

विशिष्ट उद्देश्य : विदेशी कहानी और हिंदी भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न करना ।
परोपकार के महत्त्व को बताना ।

सहायक सामग्री : चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, कलम, उत्तर-पुस्तिका पाठ से संबंधित चार्ट ।

शिक्षण विधि :

1. आदर्श वाचन
2. अनुकरण वाचन
3. प्रश्नोत्तर विधि

पूर्व ज्ञान : छात्र पाठ को पढ़ने और समझने योग्य हैं । वे परोपकार के विषय में पहले से जानते हैं ।

प्रस्तावना

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	सभी मनुष्यों में कौन से गुण होने चाहिए ?	मानवीय गुण
2.	दूसरो की भलाई के लिए किए गए कार्य को क्या कहते हैं ?	परोपकार
3.	परोपकार किस भाव से करना चाहिए ?	निःस्वार्थ भाव से

उद्देश्य कथन : बिल्कुल सही ! आज हम आपको परोपकार के विषय में बताते हुए विदेशी कहानी “भिखारी और रोटी” पढ़ाएँगे ।

पाठ प्रस्तुतीकरण

(प्रथम कालांश)

- आदर्श वाचन** : पाठ से संबंधित चार्ट दिखाते हुए पाठ आरंभ करेंगे । वे पाठ का वाचन करते हुए कठिन शब्दों का उच्चारण व अर्थ भी स्पष्ट करते जाएँगे ।
- अनुकरण वाचन** : अध्यापक के वाचन का अनुकरण करते हुए छात्र भी पाठ का वाचन करेंगे ।
- सस्वर वाचन** : अध्यापक कठिन शब्दों व उनके अर्थ को भी छात्रों को बताएँगे ।
- उच्चारण संशोधन** : छात्रों के उच्चारण में कहीं अशुद्धि हुई तो अध्यापक सुधार करवाएँगे ।
- स्पष्टीकरण** : पाठ के कठिन शब्दों के अर्थ श्यामपट्ट पर लिखकर छात्रों को समझाएँगे । पाठ का अर्थ ग्रहण करते हुए बीच में मौखिक प्रश्नों को भी पूछते जाएँगे । चार्ट दिखाकर अध्यापक परोपकार के महत्त्व को समझाकर अपनाने को प्रेरित करेंगे ।

कहानी में बताया गया है कि निःस्वार्थ भाव से किया गया परोपकार सच्चे अर्थों में मानवोचित कार्य है । हमें किसी की सहायता मानवीयता के कारण करनी चाहिए ।

कहानी के अर्थ ग्रहण के पश्चात् अध्यापक कुछ शब्दों के समानार्थी तथा विशेषण शब्द भी बताएँगे ।

बोध प्रश्न :

1. बूढ़े व्यक्ति की स्थिति कैसी थी और वह क्या कहकर आवाज लगा रहा था ?
2. दयालु स्त्री ने बूढ़े आदमी के साथ कैसा व्यवहार किया ?
3. कैची ने क्या-क्या काट डाला था ?

श्यामपट्ट कार्य : अध्यापक छात्रों द्वारा शब्दों की वर्तनी शुद्ध करवाएँगे । लघु प्रश्नोत्तर, रिक्त स्थान पूर्ति तथा किसने-किससे कहा श्यामपट्ट पर करवाएँगे । शब्दों को जोड़कर नवीन शब्द बनाना, निर्देशानुसार, वाक्य परिवर्तन, श्यामपट्ट पर लिखवाएँगे । सभी छात्रों को क्रमानुसार बुलाकर श्यामपट्ट पर कार्य करने का अवसर देंगे ।

अवलोकन कार्य : जिस समय छात्र काम करेंगे अध्यापक अन्य छात्रों की संलग्नता की भी जाँच करते रहेंगे ।

(द्वितीय कालांश)

- प्रकरण** : 'भिखारी और रोटी' का अभ्यास कार्य ।
- सामान्य उद्देश्य** : पूर्ववत्
- विशिष्ट उद्देश्य** : पूर्ववत्
- सहायक सामग्री** : पूर्ववत्

शिक्षण विधि : पूर्ववत्

पूर्वज्ञान : विद्यार्थियों को पाठ का पूर्ण ज्ञान हो गया है । वे अभ्यास कार्य करने में समर्थ हैं ।

क्रम	शिक्षक कथन	छात्र कथन
1.	विदेशी कहानी के लेखक कौन है ?	मैक्सिकम गोर्की
2.	प्रकृति में कौन-कौन परोपकार करता है ?	सूरज, नदी, पेड़-पौधे आदि ।
3.	कैची में क्या-क्या काट डाला था ?	गददियाँ, परदे, चादर, कालीन, तकिए के गिलाफ आदि ।

कक्षा कार्य : अध्यापक पुस्तक में दिए अभ्यास कार्य को छात्रों द्वारा पूरा कराएँगे ।

लिखित – लिखित प्रश्नों के उत्तर, बहुविकल्पीय प्रश्न, किसने-किससे कहा, रिक्त स्थान की पूर्ति, चित्र देखकर नाम लिखना, छात्र अध्यापक के निर्देशन में पूरा करेंगे । कल्पना के पंख में दिए प्रश्न पर अध्यापक पहले जानकारी उपलब्ध कराएँगे ।

भाषा का जादू – विलोम शब्द, समानार्थी शब्द, विशेषण शब्द बनाना, सर्वनाम का संज्ञा की जगह प्रयोग करना, निदेशानुसार काल बदलना और गणितीय प्रश्न छात्र अध्यापक से चर्चा के पश्चात् पूर्ण करेंगे ।

अवलोकन कार्य : जिस समय कार्य हो रहा है, अध्यापक सभी छात्रों के काम और उसकी गति व सुलेख का निरीक्षण करेंगे । अशुद्धियों का सुधार भी साथ-साथ करवाएँगे ।

गृह कार्य :

- समस्त पाठ को याद करेंगे ।
- रचनात्मक कौशल में दिए कार्य को पूरा करने का निर्देश भी देंगे ।
- सम्पूर्ण पाठ को दोहराने, शब्दार्थ याद करने का निर्देश भी देंगे ।

शैक्षणिक मूल्यांकन

1. पाठ के माध्यम से एक उपयोगी बात की जानकारी मिली ।
2. परोपकार के महत्त्व की जानकारी प्राप्त हुई ।
3. रचनात्मक कौशल में वृद्धि हुई ।

क्रिया-कलाप (ACTIVITY)

कक्षा के अंदर होने वाली गतिविधि (Indoor activity)

यह भी जानिए के अंतर्गत दी गई जानकारी छात्रों को अध्यापक देंगे ।

रचनात्मक कौशल के प्रश्नों को अब कक्षा में हल करवाएँगे ।

